तापमान
अधिकतम 35 .6 डिग्री
न्यूनतम 21.7 डिग्री

हरिभूमि
सोनीपत भूमि
रोहतक, रविवार, 21 अप्रैल 2024

10 स्वास्थ्य कर्मियों ने मतदान की ली शपथ

11 प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने जीते पदक

खबर संक्षेप

ट्रस्ट का साप्ताहिक रक्तदान शिविर कल

गोहाना। भागराम ट्रस्ट सोमवार को अपना साप्ताहिक रक्तदान शिविर शहर में सोनीपत मोड़ के टी प्वाइंट पर स्थित भगवान परशुराम चौक में लगाएगा। रक्त के संकलन के लिए झज्जर में बाढ़सा स्थित नेशनल कैंसर इंस्टीट्यूट की ए.सी. बस आएगी। रक्तदान शिविर के मुख्य अतिथि गोहाना बार एसोसिएशन के अध्यक्ष वीरेंद्र आर्य होंगे। अध्यक्षता ट्रस्ट की अध्यक्ष उषा गंगनेजा करेंगी। संयोजन स्टार रक्तदाता सुरेंद्र विश्वास का रहेगा।

अवैध हथियारों सहित युवक गिरफ्तार

सोनीपत। क्राइम यूनिट सेक्टर-3 सोनीपत पुलिस ने अवैध हथियार सहित आरोपित को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित विकास उर्फ कालू निवासी रामनगर हाल में विकास नगर सोनीपत का है। आरोपित से एक पिस्तौल 32 बोर, दो जिंदा रौंद उसके घर से बरामद हुए। पुलिस ने आरोपित को अदालत में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

नगर फीडर से बिजली तार चोरी, केस दर्ज

गोहाना। नगर फीडर से अज्ञात व्यक्तियों ने 600 मीटर लंबा तार चोरी कर लिया गया। जब बिजली निगम के कर्मचारी जांच के लिए गए तो चार चोरी का पता चला। निगम के सब अर्बन सब डिवीजन के एसडीओ सुनील की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया। एसडीओ ने बताया कि कर्मचारी लाइन पर काम करने जा रहे थे। नहरों के पास नगर फीडर से तार चोरी किया गया था।

वाहन ने मोटरसाइकिल चालक को कुचला

सोनीपत। राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-44 पर गांव रसोई स्थित पारकर मॉल के पास वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत हो गई। युवक बाइक पर सवार मुरथल धाम पर पूजा करने आया था। शकूरपुर दिल्ली निवासी शिवचरण ने बताया कि त्रिलोकपुरी निवासी उनके भतीजे योगेश पारचा बाइक पर सवार होकर दिल्ली से मुरथल के लिए चले थे। जब वह देर रात रसोई स्थित पारकर मॉल के पास पहुंचे तो किसी वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में उनके भतीजे गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें अस्पताल में ले जाया गया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। कुंडली थाना पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया। पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। जांच अधिकारी एसआई संदीप कुमार ने बताया कि वाहन चालक की तलाश के प्रयास किए जा रहे है। जल्द से जल्द चालक का पता लगाकर आगामी कार्यवाही अमल में लाई जायेगी।

फिटनेस जांच के लिए पहुंचे 22 स्कूल वाहन, सभी फेल

सुरक्षित स्कूल वाहन नीति के तहत क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकरण ने सेक्टर-3 में की स्कूल वाहनों की जांच

अधिकतर वाहन मिले ओवर स्पीड कई में नहीं मिला जीपीएस

सोनीपत। वाहनों की जांच करते विभाग के अधिकारी।

सोनीपत। सेक्टर 3 में लगी स्कूली वाहनों की कतार।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

महेंद्रगढ़ के हादसे के बाद स्कूली बसों को लेकर सख्त हुए प्रशासन की देखरेख में शनिवार को स्कूली वाहनों की फिटनेस जांच हुई। इस दौरान अलग-अलग स्कूलों से कुल 22 वाहनों को जांच के लिये भेजा गय था। दावा किया गया था कि इन वाहनों की खामियों को दूर कर लिया गया है, इसके बावजूद क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकरण द्वारा की गई जांच में एक भी वाहन पास नहीं हो पाया। सभी 2 बसों को फेल कर दिया गया, एक भी वाहन ऐसा नहीं था जोकि नियमों पर खरा उतरा हो। अधिकारियों ने बस चालकों को खामियां बताई और उन्हें जल्द दूर करने के निर्देश दिए। सेक्टर-3 में रविवार को भी स्कूल वाहनों की फिटनेस जांची जाएगी।

महेंद्रगढ़ के कनीना में स्कूल बस के साथ हुए दर्दनाक सड़क हादसे के बाद हरकत में आए क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकरण और शिक्षा विभाग की तरफ से स्कूल वाहनों की जांच को लेकर अभियान चलाया। सड़कों पर दौड़ने वाले स्कूल वाहनों की जांच में कई खामियां मिली। जिस पर कार्रवाई करते हुए आरटीओ ने बसों के चालान किए और कई वाहनों को जब्त भी किया। निजी स्कूल संचालकों की मांग पर नियम पूरा करने के लिए उन्हें 10 दिन की मोहलत दी गई। साथ ही स्कूल वाहनों की जांच के लिए शनिवार व रविवार के दिन निर्धारित किए गए। शनिवार को जिले के विभिन्न स्कूलों ने वाहनों की खामियों को दूर कर फिटनेस जांच कराने भेजा, लेकिन कोई भी बस नियमों पर खरा नहीं उतरी।

इन मानकों की जांच

रोडवेज से जांच अधिकारी सुनील शर्मा ने अपनी टीम के साथ सेक्टर-3 में पहुंची विभिन्न स्कूलों की बसों की जांच की। इस दौरान स्कूल वाहनों में लगे सीसीटीवी की रिकॉर्डिंग, सेफ्टी ग्रिल, हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट, वाहनों के पीछे लिखे स्कूल संचालकों व पुलिस व महिला हेल्पलाइन नंबर, निर्धारित गति, फर्स्ट एड बॉक्स, अग्निशन यंत्र व वाहन संबंधी दस्तावेजों की जांच की। फिटनेस प्रमाणपत्र लेने पहुंचे स्कूल वाहन इन सभी नियमों का पालन करते नहीं मिले।

खरे नहीं उतरे

विद्यार्थियों को स्कूल वाहनों में सुरक्षित सफर देने के उद्देश्य से सभी स्कूलों को अपने वाहनों की फिटनेस जांच कराने के निर्देश दिए थे। जिसके तहत शनिवार को सेक्टर-3 में रोडवेज से सुनील शर्मा ने वाहनों की जांच की। फिटनेस जांच के लिए विभिन्न स्कूलों से पहुंची 22 बसों की जांच की गई, लेकिन कोई भी बस फिटनेस जांच में खरी नहीं उतरी।
गुरप्रीत सिंह संधु, मोटर वाहन अधिकारी

ये मिली कमियां

कमियां	वाहन
ओवर स्पीड मिले	10
सेफ्टी ग्रिल नहीं मिली	02
जीपीएस	07
सीसीटीवी बंद मिले	05
रिफ्लेटर टेप नहीं	01
दस्तावेज अधूरे मिले	01
हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट	04

अब तक 49 स्कूल वाहनों के हो चुके चालान

कनीना हादसे के बाद जिले में आरटीओ, पुलिस व शिक्षा विभाग की तरफ से चलाए गए जांच अभियान के दौरान स्कूलों में जाकर वाहनों की जांच की गई। वहीं सड़कों पर दौड़ने वाले वाहनों पर भी सख्ती बरती गई। सप्ताह भर चलाए गए अभियान में 49 स्कूल वाहनों के चालान किए गए, जबकि 12 वाहन जब्त किए गए थे। अधिकारियों ने स्कूल संचालकों को सुरक्षित स्कूल वाहन नीति अपनाने व खामियों को जल्द दूर करने के निर्देश दिए थे।

अधिकारियों ने बस चालकों को खामियां दूर करवाकर दोबारा फिटनेस जांच को वाहन लाने के निर्देश दिए। अधिकारी स्कूल वाहनों पर पैनी नजर रख रहे है।

चिराग का पार्थिव शरीर कल पहुंचने की संभावना

- कनाडा के वैंकूवर में चिराग को हमलावर ने मार दी थी गोली
- गांव बड़ौली में यमुना घाट पर अंतिम संस्कार किया जाएगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

कनाडा के वैंकूवर शहर में हमलावरों की गोली का शिकार हुए सेक्टर-12 निवासी चिराग के शव का पोस्टमार्टम करा दिया गया है। उनके शव को कनाडा में एयरपोर्ट पर भेज दिया गया है। जहां से शव सोमवार को भारत आ सकता है। उसके बाद मंगलवार को गांव बड़ौली में यमुना घाट पर उनके शव का अंतिम संस्कार किया जाएगा। शव को भारत लेकर आने को परिजन लगातार विदेश मंत्रालय के साथ दूतावास से संपर्क में हैं।

वर्क वीजा पर था

मूलरूप से गांव बड़ौली फिलहाल सेक्टर-12 निवासी रोमित आंतिल ने बताया कि उनके भाई चिराग आंतिल कनाडा के वैंकूवर शहर में एमबीए की पढ़ाई करने गए थे। वह अब वर्क वीजा पर एक सिक्योरिटी कंपनी में काम करते थे। उन्हें वैंकूवर पुलिस ने मेल से जानकारी दी थी कि आपके भाई चिराग आंतिल की वैंकूवर में हत्या कर दी गई है। उसके बाद से परिवार के सदस्य कनाडा पुलिस व वहां रह रहे परिचितों के संपर्क में थे।

परिवार के सदस्यों ने विदेश मंत्री एस.जयशंकर व दूतावास से संपर्क की उनके भाई के शव को जल्द भारत पहुंचवाने की गुहार लगाई थी। परिजनों का कहना है कि उन्हें कनाडा से जानकारी मिली है कि चिराग के शव का पोस्टमार्टम करा दिया गया है। चिराग के शव को कनाडा एयरपोर्ट में रखवाया गया। जहां से उनका शव सोमवार को भारत पहुंचने की उम्मीद है। परिजनों का कहना है कि शव के भारत पहुंचने के बाद गांव बड़ौली में यमुना घाट पर अंतिम संस्कार किया जाएगा।

खेड़ी गुज्जर में पंचायती भूमि में खनन करने के आरोप में दो पर केस दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गन्नौर

गांव खेड़ी गुज्जर में पंचायती जमीन से अवैध रूप से मिट्टी उठाने के आरोप में थाना गन्नौर पुलिस ने दो के खिलाफ केस दर्ज किया है। बीडीपीओ कार्यालय की तरफ से मिली शिकायत में बताया कि ग्राम पंचायत खेड़ी गुज्जर में पंचायती जमीन व खाल नंबर 133 से ऋषिपाल व सोनू ने अवैध रूप से मिट्टी उठाई है। इस दौरान उन्होंने पंचायती जमीन में लगे पत्थर निशानों को भी क्षतिग्रस्त कर दिया। मिट्टी उठान के दौरान आरोपितों ने खेड़ी गुज्जर से भौरा रसूलपुर रोड को भी क्षतिग्रस्त कर दिया। बीडीपीओ कार्यालय की तरफ से ग्राम पंचायत खेडी गुज्जर के पंचायत प्रस्ताव, मौके के फोटो सहित, नकल जमाबंदी तथा निशानदेही रिपोर्ट भी पुलिस को दी गई। शिकायत पर पुलिस ने आरोपित ऋषिपाल व सोनू के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वहीं शिकायत पर बीडीपीओ कार्यालय द्वारा कार्रवाई के लिए उपायुक्त, एसडीएम गन्नौर, खनन विभाग, ग्राम सचिव को भी पत्र भेजकर अवगत करवा दिया है।

पंप के सिक्योरिटी गार्ड से डोगा बंदूक छीनकर भागे आरोपित गिरफ्तार

- पुलिस ने आरोपितों को अदालत में पेश कर एक दिन के रिमांड पर लिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

सेक्टर-27 शहर थाना सोनीपत पुलिस ने पंप से तेल डलवाकर बिना रुपये दिए व गनमैन का हथियार लेकर फरार होने की वारदात में शामिल दो आरोपितों को अदालत में पेश किया। अदालत ने आरोपितों को एक दिन के पुलिस रिमांड पर भेजा है। रिमांड अवधि के दौरान आरोपितों से पूछताछ की जा रही है।

ये था मामला

गांव शादीपुर निवासी विकास ने 19 अप्रैल को पुलिस से शिकायत देकर बताया कि वह भारत पेट्रोल पंप पर बतौर गनमैन के पद पर तैनात है। गत 19 अप्रैल को करीब 4.45 बजे पंप पर बतौर डयूटी पर तैनात था। पंप पर डस्टर गाड़ी तेल डलवाने के लिए आया। सैल्समैन अरूण शर्मा निवासी देवीवाड़ा मोहल्ला ने उनके कहने पर एक हजार रुपये का डीजल डलवाया। कहने लगे कि पेटीएम से बिल का अदा करेगें। गाड़ी में तेल डलवाने के बाद रुपये देने के लिए कहा, लेकिन उन्होंने रुपये नहीं दिए। कार सवार युवक कहने लगे कि रुपये नहीं देगें तो क्या कर लेगें। गाड़ी रोकने का प्रयास किया, लेकिन उन्होंने गाड़ी नहीं रोकी। उसने अपने लाइसेंसी असला डोगा से ड्राइवर साइड में शीशे पर मारा। उनकी गाड़ी का शीशा टूट गया। गाड़ी चालक ने उसे डोगा छीन लिया। उसके बाद गाड़ी लेकर बहालगढ़ की तरफ फरार हो गए। मामले को लेकर पुलिस को अवगत करवाया। पुलिस ने इस संबंध में कार सवार युवकों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया था। मामले में कार्रवाई करते हुए उप निरीक्षक अमरजीत ने बताया कि मामले में कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपितों को गिरफ्तार लिया। आरोपितों को अदालत में पेश कर रिमांड की अपील की। अदालत ने आरोपितों को एक दिन के रिमांड पर भेजा है। रिमांड अवधि के दौरान आरोपितों के पास से वारदात में प्रयुक्त कार व छीना गया हथियार बरामद कर लिया है। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है।

आंवली में आग लगने से 11 एकड़ फसल जली

गोहाना। शनिवार शाम को गांव आंवली में गेहूं की फसल में आग लग गई। सात किसानों की 11 एकड़ में खड़ी गेहूं की फसल जल गई। खेतों में काम कर रहे किसानों ने आग पर काबू पाया। अग्निशमन केंद्र की टीम भी मौके पर पहुंची।

शनिवार शाम लगभग साढ़े पांच बजे अज्ञात कारण से गांव आंवली के खेतों में गेहूं की खड़ी फसल में आग लग गई। गेहूं की फसल सूखी चुकी है, जिससे आग तेजी से फैलती चली गई। खेतों में काम कर रहे किसानों ने इस संबंध में अग्निशमन केंद्र में सूचना दी। किसानों ने खेतों में ट्यूबवेल चलाकर पानी का छिड़काव शुरू कर दिया। इसके साथ में ट्रैक्टरों से हैरो जोडकर आसपास के क्षेत्र में जोताई की और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। आगजनी की इस घटना में बिजेंद्र, सुनील कुमारवव अशोक की एक-एक एकड़, बंसी सिंह, राज सिंह, सुभाष व अमरजीत की दो-दो एकड़ में गेहूं की खड़ी फसल जल गई। इससे किसानों को लाखों रुपये का नुकसान हो गया। किसानों ने सरकार से मुआवजे की मांग की।

विजय नगर में सूने मकान से नकदी और गहने चोरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

शहर थाना क्षेत्र के विजय नगर में मकान का ताला तोड़कर हजारों रुपये की राशि सहित जेवरात व सामान के चोरी होने का मामला सामने आया है। मकान मालिक ने मामले को लेकर पुलिस को अवगत करवाया। पुलिस ने इस संबंध में चोरी का मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस क्षेत्र में लगे सीसीटीवी की रिकार्डिंग खंगाल रही है। ताकि कोई सुराग हाथ लग सके।

विजय नगर निवासी सुरेश ने बताया कि उसके पास दो मकान है। हाल तें वह पुराने मकान पर ताला लगाकर नए मकान में रहने लगा। गत 19 अप्रैल को मकान पर ताला लगाकर नए मकान पर चला गया। सुबह आकर देखा तो मकान का ताला टूटा हुआ मिला। अंदर जाकर देखा तो अलमारी खुली हुई मिली, उसका सारा सामान बिखरा हुआ पड़ा था। सामान की जांच की तो 3 सोने की अंगूठी, एक मंगल सूत्र, व चांदी की पायल, गाड़ी की चाबी सहित 46 हजार रुपये की नकदी चोरी हुई मिली। चोरों ने रात को वारदात को अंजाम दिया। जांच अधिकारी एसआई मनोज कुमार ने बताया कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। क्षेत्र में लगे सीसीटीवी की रिकार्डिंग खंगाली जा रही है। जल्द से जल्द चोरों का पता लगाकर आगामी कार्यवाही अमल में लाई जायेगी।

शुगर मिल अब तक 27 लाख 80 हजार क्विंटल गन्ने की पेराई

शनिवार को रात आठ बजे तक टोकन किए जारी, आज देर शाम खत्म हो सकता है शुगर मिल का पेराई सत्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

सोनीपत चीनी मिल में वर्ष 2023-24 के पेराई सत्र अंतिम चरण में पहुंच गया है। उक्त पेराई सत्र आज रविवार देर शाम को समाप्त हो सकता है। चीनी मिल प्रबंधन की तरफ से शनिवार को गन्ना उत्पादकों को फाइनल अल्टीमेटम देते हुए शनिवार शाम के 8 बजे तक ही टोकन जारी किए है। ऑनलाइन अग्रिम टोकन बुकिंग प्रक्रिया बंद की जा चुकी है, ऐसे में बचे गन्ने को लेकर शनिवार को किसानों ने सोनीपत चीनी मिल में ही पहुंचकर अपने टोकन लगवाए। इस दौरान मिल ने उप खरीद केन्द्रों से भी बचे हुए गन्ने को ट्रकों के माध्यम से मिल में मंगवाया। रविवार को नो केन की स्थिति पैदा होते ही पेराई सत्र की समाप्ति की घोषणा की जा सकती है।

बता दें कि शहर के कामी सड़क मार्ग स्थित दी सहकारिता चीनी में वर्ष 2023-24 की शुरूआत नवंबर 2023 में हुई थी। बढ़ती गर्मी को देखते हुए मिल प्रशासन ने 20 अप्रैल 2024 तक पेराई सत्र को समाप्त करने का लक्ष्य रखा था। इसके लिए किसानों को पिछले कई दिनों से सीधे तौर पर गन्ना विभाग से संपर्क कर बचे हुए गन्ने को मिल में डालने के निर्देश दिए किए गए थे। वहीं शनिवार को सुबह ही किसानों को संदेश भेज दिया गया कि शाम के 8 बजे के बाद टोकन नही लेगा। ऐसे में जल्द से जल्द गन्ने को मिल में पहुंचाएं। मौजूदा समय में मिल क्षेत्र में गन्ना भी अपेक्षाकृत काफी कम बचा हुआ है।

5500 क्विंटल गन्ना बचा

शनिवार को यार्ड में शाम के साढ़े चार बजे तक महज 5500 क्विंटल गन्ना ही शेष बचा हुआ था। मिल प्रबंधन की तरफ से गन्ना उत्पादकों के साथ करीब साढ़े 33 लाख क्विंटल गन्ने की बॉडिंग की गई थी। इसमें से अब तक मिल प्रशासन द्वारा 27 लाख 80 हजार क्विंटल गन्ने की पेराई का काम पूरा कर लिया है। जबकि एक लाख क्विंटल गन्ना गोहाना भेजा गया था। पिछले 24 घंटे में गन्ने की कमी के कारण महज 5252 क्विंटल गन्ने की पेराई की गई है। सोनीपत चीनी मिल की पेराई क्षमता 22 हजार क्विंटल प्रतिदिन है।

पेराई सत्र काफी बेहतर रहा

चीनी मिल का पेराई सत्र अपने अंतिम चरण में पहुंच गई है। लगभग पूरे गन्ने की पेराई की जा चुकी है। बचे हुए गन्ने को लेकर किसानों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए है। रविवार को पेराई सत्र समाप्त हो सकता है। इस साल पेराई सत्र काफी बेहतर रहा है। किसानों को किसी प्रकार की परेशानी न झेलनी पड़े, इसके लिए कारगर कदम उठाए गए हैं।
डा. संजय कुमार, एमडी, चीनी मिल सोनीपत

पांच साल की बच्ची के हत्यारोपित गिरफ्तार

नशे की आदी है रवीना, तन्वी ने खाना मांगा तो मार डाला

पुलिस के सामने हत्यारी मां व उसके प्रेमी का खुलासा

सोनीपत। पांच साल की बेटी की हत्या करने की आरोपी महिला व उसके प्रेमी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। महिला ने कुबूला है कि वह शराब पीने की आदी है। जब रवीना प्रेमी कबीरपुर निवासी रजत के साथ नशा कर लेती तो बेटी तनवी खाने का सामान मांगने लगती थी। जिससे उसे व रजत को गुस्सा आता था और वह अक्सर उसकी पिटाई करते थे। घटना के दिन ज्यादा चोट मारने से उसकी मौत हो गई।

रिमांड पर लेगी पुलिस

पुलिस महिला व उसके प्रेमी को अदालत में पेश कर रिमांड पर लेगी। मामले में महिला के पूर्व पति की तरफ से नामजद कराए युवक की संलिप्तता नहीं मिली है।इंडियन कॉलोनी की गली नंबर-3 निवासी फिरोज खान ने सदर थाना पुलिस को बताया कि उनकी शादी 12 साल पहले पटेल नगर निवासी रवीना के साथ हुई थी। उन्हें रवीना से दो बेटियां तनू (8) व तनवी (5) साल पैदा हुई थी। झगड़ा होने पर उनका दो साल पहले तलाक हो गया था। रवीना बड़ी बेटी तनू को साथ ले गई और तनवी उनके पास रह गई। आठ माह पहले रवीना दो दिन के लिए बेटी तनवी को लेकर गई और अब वीरवार देर शाम को अपने प्रेमी पंकज के साथ आकर मोहन नगर में तनवी को मृत हालत में मामा अमजद के घर छोड़ गई थी। बच्ची के शरीर पर पिटाई, बीड़ी-सिगरेट से दागने के भी निशान थे। मामले में बच्ची के दादा आश मोहम्मद और दादी अमरी ने कड़ी सजा दिलाने की मांग की थी।

मामले में कार्रवाई करते हुए सदर थाना प्रभारी सेठी मलिक की टीम ने आरोपी रवीना व उसके प्रेमी रजत को गिरफ्तार किया है। रवीना जीवन नगर में रहती थी। वहीं रजत कबीरपुर का रहने वाला है। वह अक्सर रवीना संग रहता था। उनके शराब पीने पर बच्ची खाने को मांगती तो वह पिटाई करते थे। पुलिस दोनों को रिमांड पर लेगी।

पंकज की नहीं मिली हत्या में भूमिका

पुलिस ने जांच की तो पता लगा कि घटना की रात को रवीना के साथ पंकज नहीं रजत आया था। पंकज पहले रवीना के साथ रहता था तो परिवार को लगा कि वह आया होगा। पंकज से भी रवीना को एक बेटा है। हालांकि अब वह उसके साथ नहीं रहती है।

खबर संक्षेप

फसल उठान के कार्यों में तेजी लाए एजेंसी : नागर

गन्नौर। एसडीएम निर्मल नागर ने शनिवार को मार्केट कमेटी कार्यालय में गेहूं खरीद एजेंसियों व अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में एसडीएम ने अनाज मंडी व खरीद केंद्रों में फसल उठान के कार्य को गति देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आगामी दो दोनों में निर्धारित मापदंड के तहत फसल उठान सुनिश्चित करें। उन्होंने मंडी परिसर में किसानों की सुविधा के लिए किए गए प्रबंधों की भी जानकारी ली।

भगवान महावीर को किया नमन

गोहाना। शहर में गुढ़ा रोड पर स्थित गीता विद्या मंदिर में 24वें जैन तीर्थंकर भगवान महावीर की जयंती पर उन्हें नमन किया गया। यह जयंती समारोह स्कूल के शिवा जी सदन के तत्वावधान में हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रिंसिपल अश्विनी कुमार ने की। उनके अनुसार भगवान महावीर ने सत्य और अहिंसा के पथ पर चलने के लिए प्रेरित किया। उनके प्रवचनों में मुख्य जोर अपरिग्रह और क्षमा पर रहता था। उनका जीवन त्याग और संयम, प्रेम और करुणा, शील और सदाचार से ओत-प्रोत था।

नालंदा वर्ल्ड स्कूल में बच्चें ने येलो डे मनाया

गोहाना। शनिवार को गोहाना-जींद मार्ग पर स्थित नालंदा वर्ल्ड स्कूल में प्ले ग्रुप से कक्षा यू.के.जी. तक के बच्चों ने येलो डे मनाया। घरों से पीले रंग पहन कर आए बच्चों को पीले रंग के विभिन्न प्रयोग सिखाए गए। मुख्य अतिथि स्कूल की निदेशक रीना मलिक रहीं और अध्यक्षता प्राचार्याअनुपमा चौधरी ने की। पीले रंग के कपड़े पहन कर आए बच्चों ने पीले रंग के फल और भोजन का सेवन किया। विभिन्न उपकरणों को पीले रंग से सजाया गया। अनुपमा ने कहा कि पीले रंग में मन को बदलने की क्षमता होती है। यह रंग शुभ होता है। पीला रंग नकारात्मक विचार समाप्त कर उत्साह का संचार करता है।

कला संकाय की छात्राओं को दी विदाई पार्टी

खरखौदा। कन्या महाविद्यालय में प्राचार्य वीरेंद्र दहिया की अध्यक्षता में बी.ए कला संकाय की छात्राओं का विदाई समारोह डॉ. सीमांत और डॉ.शालिनी के नेतृत्व में आयोजित किया गया। बी. ए.द्वितीय वर्ष की छात्राओं ने अंतिम वर्ष की छात्राओं को रंगारंग कार्यक्रमों की प्रस्तुति के साथ विदाई पार्टी दी। इस अवसर पर प्राचार्य ने छात्राओं को विदाई समारोह पर कहा कि महाविद्यालय से जाने के बाद भी छात्राएं अपने जीवन में निरंतर आगे बढ़ती रहें और अपने लक्ष्य को प्राप्त करते हुए खुशहाल जीवन व्यतीत करें ' इस विदाई पार्टी में जूनियर छात्राओं ने अपनी सीनियर्स के लिए कैटवॉक, मुश्किल टास्क और प्रश्नोत्तर जैसे तीन राउंड रखें।

इनेलो ने सदैव कार्यकर्ताओं को दिया सम्मान : मलिक

खरखौदा। द्रोणाचार्य अवॉर्डी एवं पूर्व पुलिस अधीक्षक अनूप सिंह के सिसाना स्थित निवास पर इनेलो कार्यकताअरं की बैठक आयोजित की गई। जिसकी अध्यक्षता जिला अध्यक्ष कृष्ण मलिक ने की। कृष्ण मलिक ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते कहा कि इनेलो पार्टी एक ऐसी पार्टी है जिसने अपने छोटे से छोटे कार्यकर्ता को भी सम्मान देने का काम किया है। यही कारण है कि आज भी इनेलो के कार्यकर्ता संगठित होकर कार्य कर रहे हैं।

नारी अपार शक्ति की स्वामीनी : देवेंद्र पाल

छात्राओं के लिए एक इंटरेक्शन सत्र का आयोजन किया

हरिभूमि न्यूज ▸▸ गोहाना

भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय खानपुर कलां में छात्र कल्याण अधिष्ठाता विभाग व विश्वविद्यालय प्रतियोगी परीक्षा केंद्र द्वारा छात्राओं के लिए एक इंटरैक्शन सत्र का आयोजन किया गया। अध्यक्षता महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश ने की। मुख्य अतिथि कारगिल योद्धा व इंडियन ब्लेड मेन मेजर देवेंद्र पाल सिंह ने छात्राओं से संवाद किया। मेजर सिंह भारत के प्रथम विकलांग मैराथन धावक है व पहले एशियाई विकलांग है जिन्होंने एयरक्राफ्ट उड़ाया है।

मेजर सिंह ने कहा कि नारी में

गोहाना। मेजर डीपी सिंह को स्मृति चिन्ह भेंट करते महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश। फोटो : हरिभूमि

अपार शक्ति है , जो शक्ति एक मां में होती है वो शक्ति किसी और में नहीं हो सकती। एक शिक्षित बेटी पूरे कुनबे को संवार सकती है। मेरी बच्चियों को नारी होने पर गर्व होना चाहिए। विश्वविद्यालय से सीख कर समाज व देश को सिखाएं। खुद से वादा करें की किसी पर मोहताज नहीं रहेंगे। अपना काम स्वयं करें। जो काम नहीं आता उसे सीख लें। दुनिया को अपने काम से बदलो और बेटियों के सम्मान में कोई कमी नहीं होनी चाहिए। मेजर सिंह ने कहा कि जीवन में अपने काम पर फोकस करें असफलता भी मिलेगी पर रुकना नहीं है, एक दिन सफलता जरूर मिलेगी। उन्होंने कहा कि हमारे समाज में एक सबसे बड़ी बीमारी है कि लोग क्या कहेंगे। जिन के पास कोई काम नहीं होता ऐसे ही लोग कुछ न कुछ कहते है। उनकी न सुनें। खुद की सुनो। रोज सोने से पहले आत्म चिंतन व मंथन जरूर करें कि आपने क्यागलत किया। उसे सुधारने की कोशिश करें। अपने अध्यक्षीय सम्बोधन में कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि पूरा देश सेना पर गर्व करता है। अपने जीवन का सर्वस्व न्यौछावर कर देश की रक्षा करने वाले देश के बहादुर सिपाहियों को मेरा अभिनंदन।

इस अवसर पर महिला विवि की कुलसचिव डॉ. नीलम मलिक, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. श्वेता हुड्डा, लेफ्टिनेंट कर्नल डॉ. अनिल बलहारा, प्रो. संकेत विज, प्रो. रवि भूषण, डॉ. महेश शर्मा व डॉ. ईशानी भी मौजूद रहे।

सोनीपत। नवनियुक्त पदाधिकारियों का स्वागत करते हुए। फोटो :हरिभूमि

हर्ष को अध्यक्ष नियुक्त किया

सोनीपत। जननायक जनता पार्टी की छात्र इकाई इनसो के जिला प्रधान कृष्ण सरोहा ने बताया कि इनसो के राष्ट्रीय व प्रदेश नेताओं से विचार करने के बाद आज राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज की इनसो इकाई की कार्यकारिणी घोषित की। जिला प्रधान कृष्ण सरोहा ने बताया कि कार्यकारिणी में हर्ष दहिया को कॉलेज प्रधान नियुक्त किया गया है। कृष्ण सरोहा ने बताया कि इनसो का जल्दी ही जिले के सभी कॉलेजों में सदस्यता अभियान चलाया जाएगा, जिससे ज्यादा से ज्यादा छात्रों को इनसो विचारधारा से जोड़ा जाएगा। कृष्ण सरोहा ने कहा कि उनके कॉलेज की हर समस्या का समाधान किया जाएगा चाहे वह कॉलेज की कैंटीन की हो या सुरक्षा की बात हो चाहे साफ सफाई की बात हो या अन्यथा कोई समस्या हो उसको हल करवाने का काम करेगी। इस मौके पर रोहित, सनी, नवनीत ,सागर, हर्ष, नितिन, शुभम, नवीन, मोहित आदि उपस्थित रहे।

अस्पताल परिसर में जागरूकता कार्यक्रम

मजबूत लोकतंत्र के लिए हर वोट कीमतीः डॉ. टीना

उपमंडल अस्पताल के चिकित्सकों और स्टाफ ने ली शत प्रतिशत मतदान की शपथ

मतदान हमारा अधिकार ही नहीं हमारा कर्तव्य भी

हरिभूमि न्यूज ▸▸ गन्नौर

उपमंडल अस्पताल के चिकित्सकों और स्टाफ सदस्यों ने शनिवार को शत प्रतिशत मतदान की शपथ ली। अस्पताल परिसर में आयोजित कार्यक्रम में एसएमओ डा. टीना आनंद ने कहा कि अस्पताल प्रशासनम द्वारा स्टाफ के साथ मरीज एवं उनके परिजनों को मतदान के लिए प्रेरित किया जाएगा। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि एक मजबूत लोकतंत्र के लिए आपका एक-एक वोट बहुत कीमती है। मतदान हमारा अधिकार ही नहीं हमारा कर्तव्य भी है। एसएमटो डा. टीना आनंद ने शपथ दिलाई कि हम भारत के नागरिक लोकतंत्र में अपनी पूर्ण आस्था रखते हुए यह शपथ लेते हैं कि हम अपने देश की लोकतांत्रिक परंपराओं की मर्यादा को बनाए रखेंगें तथा स्वतंत्र निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन की गरिमा को अक्षुण रखते हुए निर्भीक होकर धर्म, वर्ग, जाति, समुदाय, भाषअथवा अन्य किसी भी प्रलोभन से प्रभावित हुए, बिना अपने मत का प्रयोग करेंगे। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि एक मजबूत लोकतंत्र के लिए आपका एक-एक वोट बहुत कीमती है। मतदान हमारा अधिकार ही नहीं हमारा कर्तव्य भी है।इस मौके पर एसएमओ डा. संजय कौशिक, डा. रोहतास भल्ला, डा. दीपशिखा, डा. पुनीत गांधी आदि मौजूद रहे।

गन्नौर। उपमंडल अस्पताल के चिकित्सक और स्टाफ शत प्रतिशत मतदान की शपथ लेते हुए। फोटो :हरिभूमि

एक-एक वोट की बड़ी कीमतः दुरेजा

गोहाना। मेन बाजार के जैन सीनियर सेकेंडरी स्कूल के प्रिंसिपल केएल दुरेजा ने शनिवार को कहा कि एक-एक वोट की कीमत है। अनेक बार ऐसा भी हो जाता है कि हार-जीत केवल एक वोट के अंतर से हो जाती है। ऐसे में अपना वोट जरूर डालें के.एल. दुरेजा स्कूल में हुए मतदान जागरूकता कार्यक्रम में विद्यार्थियों और अध्यापकों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बच्चों को अपने माता-पिता और मताधिकार प्राप्त परिजनों से अनुरोध करना होगा कि लोकसभा चुनाव में 25 मई को होने वाले मतदान में वे वोट डालने से चूकें नहीं। संयोजन ड्राइंग शिक्षिका उर्मिला ने किया। उन्होंने मतदान पर स्लोगन और पेंटिंग की प्रतियोगिताएं करवाईं। सत्यवीर स्वामी, सुनील कुमार, राजवीर, दलबीर, जय किशन, मुकेश कालड़ा, मोहित, सोमा रानी, प्रियंका, कौशल्या, अनिता, मोनिका आदि अध्यापक भी उपस्थित रहे।

नियमानुसार गेहूं की खरीद की जाए

- एसडीएम ने किया नई मंडी का निरीक्षण,गेहूं की खरीद व उठान बारे अधिकारियों को दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▸▸ गोहाना

एसडीएम विवेक आर्य ने जींद मार्ग स्थित नई अनाजमंडी का निरीक्षण किया। उन्होंने मंडी में आवश्यक सुविधाओं का जायजा लिया और गेहूं की खरीद व उठाने बारे अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए। एसडीएम ने कहा कि किसानों को अनाजमंडी में गेहूं की बिक्री में किसी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए। मंडी में नियमानुसार गेहूं की खरीद की जाए। समय पर गेहूं की बोरियों का उठान किया जाए, ताकि मंडी में जाम की स्थिति उत्पन्न न हो। एसडीएम विवेक आर्य ने मंडी में आढ़तियों और किसानों से भी बात की। उन्होंने कहा कि अनाजमंडी में गेहूं की खरीद व उठान संबंधी किसी प्रकार की परेशानी नहीं आने दी जाएगी। किसान अनाजमंडी में सूखा हुआ गेहूं लेकर आएं। इस अवसर पर मार्केट कमेटी सचिव जितेंद्र, वेलफेयर हाउस प्रबंधक रेणू देवी, हैफेड से प्रबंधक रीना, ऑक्शन रिकॉर्डर सितेंद्र मलिक और सुनील दलाल मौजूद रहे।

नई अनाजमंडी में अधिकारियों से बातचीत करते हुए एसडीएम विवेक आर्य।

गोहाना। प्रतियोगिताओं में विजेता घोषित बच्चे अपने गुरुजनों के साथ।

प्रतियोगिताओं में दिखाई प्रतिभा

गोहाना। ग्लोबल पब्लिक स्कूल में अलग-अलग कक्षा समूह के आधार पर अनेक अंतरसदनीय प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। सभी प्रतियोगिताओं में सामान्य ज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता प्रमुख रही। निर्णायक की भूमिका विद्यालय की प्रधानाचार्या प्रीति शर्मा ने निभाई। स्कूल के चेयरमैन पंकज जाले ने विजेताओं को सम्मानित किया विद्यालय के चारों सदनों (संकल्प, विश्वास, प्रयास तथा निश्चय) के विद्यार्थियों ने अपने-अपने सदन की ओर से भाग लिया। छठी से आठवीं कक्षा समूह में विश्वास सदन ने प्रथम, प्रयास तथा निश्चय सदन ने द्वितीय तथा संकल्प सदन ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं दूसरी ओर कक्षा नवमी से कक्षा बारहवीं समूह में संकल्प सदन ने प्रथम, निश्चय सदन ने द्वितीय तथा विश्वास सदन ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

टैलेंट हंट शो में छात्रों ने दिखाया उत्साह

सोनीपत। गेटवे स्कूल में शनिवार को टैलेंट हंट शो का आयोजन किया गया। शो में गेटवे के कक्षा 6-12 तक के विद्यार्थियों ने सोलो व ग्रुप सिंगिंग, सोलो डांस व ग्रुप डांस, लघु नाटिका, काव्य-पाठ, कहानी वाचन आदि की प्रस्तुतियां दी। स्कूल प्राचार्य प्रेम कुमार ओझा ने कहा कि स्कूल का काम स्टूडेंट्स को किताबी पढ़ाई कराने तक सीमित नहीं होना चाहिए। हमें स्टूडेंट्स को सामाजिक गतिविधियों से जोड़ना है। इसके लिए अतिरिक्त प्रयास करने की जरूरत है। टैलेंट हंट शो में छठी से बारहवीं कक्षा के स्टूडेंट्स ने भाग लिया। उप-प्राचार्या रिम्पी वर्मा ने बच्चों के उत्साह को देखते हुए उन्हें प्रेरित किया। विजेताओं को गेटवे स्कूल के प्राचार्य और उप-प्राचार्य ने बधाई दी।

प्रतियोगिताओं को विजाता छात्र प्रशंसा पत्र दिखाते साथ में महाविद्यालय का स्टाफ।

निबंध लेखन प्रतियोगिता में मयंक प्रथम

गन्नौर। राजकीय महाविद्यालय गन्नौर में शनिवार को महाविद्यालय स्तरीय कानूनी साक्षरता प्रकोष्ठ द्वारा विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन कराया गया। इन प्रतियोगिताओं में निबंध लेखन, कविता वाचन, भाषण प्रतियोगिता ,नारा लेखन, पोस्टर बनाओ प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। प्रतियोगिता में 27 छात्र छात्राओं ने प्रतिभागिता की। कविता वाचन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर जया कुमारी व द्वितीय स्थान पर नेहा रही। भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर साक्षी, नारा लेखन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर दिशा व द्वितीय स्थान पर नेहा रही। पोस्टर बनाओ प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर साक्षी व द्वितीय स्थान पर रिंशी रही। जबकि निबंध लेखन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर मयंक व द्वितीय स्थान पर डिंपल रही। प्रतियोगिता का आयोजन कानूनी साक्षरता प्रकोष्ठ प्रभारी डा. कीर्ति खत्री द्वारा किया गया। महाविद्यालय प्रभारी डा. अरुण कुमार, अश्विनी, रवीना पवार तथा डा. मीनू ने निर्णायक मंडल की भूमिका निभाई।

दिव्यांगता प्रमाणपत्र बनवाने का आश्वासन

हरिभूमि न्यूज ▸▸ सोनीपत

सरकार की ओर से हीमोफिलिया मरीजों को दिव्यांग की श्रेणी में माना है और उनके दिव्यांगता प्रमाणपत्र बनवाए जाते हैं। हालांकि सोनीपत में करीब 40 मरीजों के अभी तक दिव्यांगता प्रमाणपत्र नहीं बनाए गए है। सेमिनार में पहुंचे मरीजों ने दिव्यांगता प्रमाणपत्र का मुद्दा उठाया तो उप सिविल सर्जन एवं नोडल अधिकारी डा. नीरज यादव ने जल्द विशेष शिविर लगाकर सभी मरीजों के दिव्यांगता प्रमाणपत्र बनवाने का आश्वासन दिया। जिला नागरिक अस्पताल में शनिवार को विश्व हीमोफिलिया दिवस के उपलक्ष्य में सेमिनार का आयोजन किया गया। इसमें जिलेभर से हीमोफिलिया के मरीज व उनके अभिभावक पहुंचे थे। सेमिनार के दौरान उप सिविल सर्जन डा. नीरज यादव, उप चिकित्सा अधीक्षक डा. गिन्नी लांबा, फिजिशियन डा. राकेश फोगाट व प्रयोगशाला से डा. सुमन मुख्य रूप से शामिल हुईं। सेमिनार के दौरान मरीजों ने सरकार से पेंशन न मिलने का मुद्दा उठाया। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री घोषणा के बावजूद डेढ़ साल से उन्हें पेंशन नहीं मिली है। इस पर चिकित्सक ने बताया कि जिन परिवारों की वार्षिक आय तीन लाख रुपये है। उन परिवारों के ऐसे 28 मरीजों का डाटा पोर्टल पर अपलोड किया हुआ है। हीमोफीलिया के मरीजों को पेंशन देने का मामला सरकार के पास है। इस दौरान बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कर्मी आनंद कुमार व अन्य मौजूद रहे।

सोनीपत। आयोजित सेमिनार के दौरान मौजूद स्वास्थ्य कर्मी। फोटो :हरिभूमि

विधायक सुरेंद्र पंवार क्रिकेट लीग के शुभारंभ अवसर पर खिलाड़ियों से मिलते हुए।

भारत क्रिकेट लीग-2024 का किया शुभारंभ

सोनीपत। विधायक सुरेंद्र पंवार ने देवड़ू रोड बाइपास स्थित नैशनल स्पोर्टस क्लब में आईसीएआई सोनीपत ब्रांच (एनआईआरसी) के तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय भारत क्रिकेट लीग-2024 का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न जिलों से पहुंचे खिलाड़ियों से मुलाकात कर उनके उज्जवल भविष्य की कामन की। विधायक सुरेंद्र पंवार को क्रिकेट लीग के पदाधिकारियों द्वारा स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। विधायक सुरेंद्र पंवार ने कहा कि आज की व्यस्त दिनचर्या में खेल जीवन के लिए बहुत जरूरी है। खेल से शारीरिक व मानसिक तंदरूस्ती मिलती है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क निवास करता है। यदि मनुष्य स्वस्थ होगा तभी वह अपने परिवार, समाज व अपने कर्तव्यों का निर्वहन सही तरीके से कर सकेगा। आईसीएआई द्वारा चार्टड एकाऊंटेंट्स के लिए एक बेहतर पहल शुरू की है, इसके माध्यम से न सिर्फ चार्टड एकाऊंटेंट्स फिट रह सकेंगे अपितू अपने खेल में शानदार प्रदर्शन करते समाज का नाम रोशन करेंगे। सभी टीमों का सोनीपत पहुंचने पर हार्दिक स्वागत किया।

जिला स्तरीय यूथ एवं जूनियर बास्केट बॉल प्रतियोगिता का शुभारंभ

10 लड़कियों की,16 लड़कों की टीमें दिखाएंगी दम

हरिभूमि न्यूज ▸▸ सोनीपत

सर छोटूराम स्कूल में शनिवार को जिला स्तरीय यूथ एवं जूनियर बास्केट बाल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बतौर मुख्य अतिथि सुमितानंद महाराज हरिद्वार, विशिष्ट अतिथि सचिन कुमार, संयुक्त सचिव बास्केट बाल एसोसिएशन हरियाणा, देवेंद्र सचिव, बास्केट बाल सोनीपत, खेल गुरू सूरजमल मलिक, जगबीर मलिक, अनिल हुडडा सोनीपत व अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने विद्यालय में पहुंचकर खिलाड़ियों को आशीर्वाद दिया। बास्केट बाल कोच रीतु ने बताया कि इस प्रतियोगिता में 10 लड़कियों की टीमें और 16 लड़कों की टीमें भाग ले रहे है। हरियाणवी नृत्य से कार्यक्रम की शुरुआत की गई। इस प्रतियोगिता में आर्य कन्या स्कूल मोहाना व हिन्दू स्कूल सोनीपत के बीच ओपनिंग मैच शुरू हुआ। मुख्य अतिथि स्वामी सुमितानंद ने नगद देकर खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया। इस अवसर पर विद्यालय के चेयरमैन जगदीश लोहचब, कविता लोहचब, प्रबंधक बिमला दहिया, प्रधानाचार्य डॉ. मेहरसिंह आर्य, उप प्रधानाचार्या अनीता लोहचब ने अतिथियों को स्मृति चिहन भेंट करके सम्मानित किया।

सोनीपत। विजेताओं को सम्मानित करते हुए स्कूल चेयरमैन एवं अन्य।

सभा में अभिभावकों ने ली शिक्षा संबंधी जानकारी

सोनीपत। ब्राइट स्कॉलर स्कूल में शनिवार को अभिभावक अध्यापक सभा का आयोजन किया गया। सभी कक्षाओं के विद्यार्थी अपने अभिभावकों के साथ इस दौरान उपस्थित रहे। सभी अभिभावकों ने अपने बच्चों की शिक्षा सम्बन्धी पूरी जानकारी ली और अपने विचार अध्यापकों के सामने प्रकट किए। इस सत्र विद्यालय में दाखिला लेने वाले विद्यार्थियों के अभिभावक विद्यालय की प्रणाली से बेहद संतुष्ट नजर आए और उन्होंने विद्यालय की प्रशंसा की। प्राचार्या किरण दलाल ने भी सभी अभिभाकों का धन्यवाद किया।

सोनीपत। कार्यक्रम के दौरान अतिथियों का स्वागत करते स्टाफ। फोटो :हरिभूमि

कौशल का प्रदर्शन करने के लिए किया प्रोत्साहित

सोनीपत। ऋषिकुल विद्यापीठ में नीति आयोग के निदेर्शानुसार एटीएल सामुदायिक दिवस समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यार्थियों को उनके अभिनव कौशल का प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। छात्रों में विज्ञान, क्राफ़्ट्स और इंजीनियरों की अगली पीढ़ी में रचनात्मकता को बढ़ाने के उद्देश्य से स्थानीय समुदाय व विभिन्न पड़ोस के स्कूलों के बच्चों को इस दिन का हिस्सा बनने के लिए आमंत्रित किया गया था। कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य अतिथि विद्यालय के चेयरमैन एसके शर्मा के स्वागत के साथ की गई। कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न गतिविधियों और प्रतियोगिताओं का आयोजन विज्ञान अध्यापकों अमिता शर्मा, रेनु अरोरा व उदित अत्रे के निर्देशन में किया गया। अंत में विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। विद्यालय के चेयरमैन एसके शर्मा ने कार्यक्रम की भूरि-भूरि प्रशंसा की। विद्यालय के निदेशक धीरज शर्मा ने विजेता छात्रों को बधाई दी।

बिना मान्यता के चल रहे 89 स्कूल, बंद करवाएगा विभाग

जिला शिक्षा अधिकारी ने खंड शिक्षा अधिकारियों को दिए कार्रवाई के निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

- महेंद्रगढ़ के कनीना में हुए हादसे के बाद से शिक्षा विभाग हुआ सख्त
- राई खंड में 33 स्कूल बिना मान्यता के चल रहे वहीं सोनीपत खंड में 29 स्कूल बिना मान्यता के

महेंद्रगढ़ के कनीना में हुए हादसे के बाद से शिक्षा विभाग सख्ती दिखा रहा है। अभी तक निजी स्कूलों के विद्यार्थियों को लाने-ले जाने वाले वाहनों को लेकर सख्ती बरती जा रही थी। अब ऐसे स्कूलों की लिस्ट भी तैयार कर ली गई है, जोकि बिना मान्यता के ही चल रहे हैं।

ऐसे स्कूलों को बंद करने की दिशा में कदम उठाते हुए जिला शिक्षा अधिकारी ने सभी ब्लॉक शिक्षा अधिकारियों को निर्देश जारी किए हैं। जिले में कुल 89 स्कूल ऐसे हैं, जोकि बिना मान्यता के चल रहे हैं। इसमें सबसे अधिक संख्या राई खंड में हैं, जहां पर 33 स्कूल बिना मान्यता के चल रहे हैं। वहीं सोनीपत खंड में 29 स्कूल बिना मान्यता के चल रहे हैं। ऐसे स्कूलों को बंद करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके अलावा स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि बिना मान्यता के अगर स्कूलों ने नए सत्र में दाखिला लिया है तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी। मौलिक शिक्षा निदेशक ने सभी जिला शिक्षा अधिकारियों और जिला मौलिक शिक्षा अधिकारियों से उनके जिलों में बिना मान्यता के चल रहे स्कूलों की रिपोर्ट मांगी थी। जिसके बाद अब इन स्कूलों को बंद कराने और एमआईएस पोर्टल से हटाने के निर्देश दिए हैं।

साथ ही एमआईएस पोर्टल पर उपलब्ध स्कूलों की सूची तैयार कर मुख्यालय भेजने को कहा है। एक अप्रैल से शुरू हुए नए शैक्षणिक सत्र के बाद से स्कूल संचालक बच्चों का अपने स्कूल में दाखिला करने की जद्दोजहद में जुटे हैं। ऐसे में बिना मान्यता के स्कूल संचालक कम फीस में बच्चों का दाखिला ले लेते हैं, जिसके कारण विभाग को तो नुकसान हो रहा है साथ ही मान्यता प्राप्त निजी स्कूलों को भी नुकसान हो रहा है। शिक्षा अधिकारियों का कहना है कि मान्यता संबंधी शर्तें पूरी किए बिना बच्चों का दाखिला करना हरियाणा स्कूल शिक्षा नियमावली 2003 के अनुसार अपराध माना जाएगा।

जिला शिक्षा अधिकारी नवीन गुलिया ने सभी खंड शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिए हैं बिना मान्यता के यदि कोई स्कूल दाखिला करते पाया जाता है तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

करवाया था सर्वे

जिले में बिना मान्यता के चल रहे स्कूलों को चिह्नित करने के लिए सर्वे करवाया गया था। जिसमें जिले भर में 89 स्कूल मान्यता संबंधी दस्तावेज दिखाने में नाकाम रहे। इन स्कूलों को पोर्टल से हटाते हुए बंद करवाया जाएगा। इसके लिए सभी खंड शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिए हैं। बिना मान्यता के कोई स्कूल दाखिला करते मिला को सख्त कार्रवाई की जाएगी।

-नवीन गुलिया, जिला शिक्षा अधिकारी, सोनीपत

किस खंड में कितने स्कूल बिना मान्यता के चल रहे

खंड	बिना मान्यता चल रहे स्कूल
राई	33
सोनीपत	29
गोहाना	13
गन्नौर	06
खरखौदा	05
मुंडलाना	02
कथूरा	01
कुल	89

सोनीपत। प्रदर्शन स्थल पर पहुंचे पुलिस अधिकारी। फोटो : हरिभूमि

5 मई तक स्थगित किया सत्याग्रह

सोनीपत। हरियाणा-दिल्ली सीमाओं पर बंद राष्ट्रीय राजमार्गों को खुलवाने हेतु कुंडली बॉर्डर पर जारी राष्ट्रीय जातिगत आरक्षण विरोधी पार्टी के सत्याग्रहियों का अनिश्चितकालीन सत्याग्रह प्रदर्शन शनिवार को दूसरे दिन स्थगित कर दिया गया। कुंडली थाना प्रभारी ने मौके पर पहुंचकर राजमार्ग को खोलने की प्रक्रिया शुरू करने की जानकारी दी, जिसके उपरांत सत्याग्रह को स्थगित कर दिया गया। इस मौके पर पार्टी महासचिव रविन्द्र जठेड़ी, सुखमेंद्र सिंह खरब और राकेश धारीवाल भी मौजूद रहे।

नीशु त्यागी के सम्मान में निकाली रैली

गन्नौर। यूपीएससई में 152वीं रैंक प्राप्त करने वाली नीशु त्यागी के सम्मान में शाश्वत चेतना स्कूल के छात्रों ने भव्य रैली निकाली। रैली गढ़ी केसरी से से होती हुई विद्यालय पहुंची। जहां विद्यालय की प्रबंधक दर्शन शर्मा, चयेरमैन राजकुमार शर्मा, प्राचार्या डिंपल शर्मा, उपप्राचार्य सिद्धार्थ शर्मा, डा. प्रीति शर्मा, प्रज्ञाश्री, अखिला शर्मा, विकास वर्मा ने नीशु त्यागी को फूलमाला पहना कर सम्मानित किया। स्कूल में छात्रों ने सांस्कृतिक नृत्य भी प्रस्तुत किए। नीशु त्यागी ने छात्रों को बताया कि जीवन में कैसे संघर्ष कर आगे बढ़ा जा सकता है। स्कूल प्राचार्या ने नीशु त्यागी को आशीर्वाद स्वरूप स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया।

खबर संक्षेप

हमला करने की घटना में आरोपित गिरफ्तार

गोहाना। क्राइम यूनिट गोहाना की पुलिस टीम ने गोली चलाकर की जानलेवा हमला करने की घटना में संलिप्त आरोपित गांव मदीना के रवि को गिरफ्तार किया। उसे न्यायालय के आदेश पर दो दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया। गांव मदीना के संदीप ने 17 अप्रैल को बरोदा थाना में शिकायत दी थी कि वह खेत में गया था। खेत का पड़ोसी सतीश वहां काम कर रहा था और उसे गाली देने लगा। इस पर उसने एतराज जताया तो सतीश ने फोन करके अपने बेटे रवि को बुला लिया था। रवि ने खेत में आते ही उस पर गोलियां चलानी शुरू कर दी थी। जांच अधिकारी उप निरीक्षक नवीन ने पुलिस टीम के साथ आरोपित रवि को गिरफ्तार कर लिया।

निजी अस्पताल कर्मियों के खिलाफ मामला दर्ज

खरखौदा। शहर के निजी अस्पताल के चिकित्सक व महिला दाई पर जच्चा बच्चा की मौत को लेकर खरखौदा पुलिस ने मामला दर्ज किया है। पिछले वर्ष निजी अस्पताल में डिलीवरी के लिए भर्ती हुई महिला व उसके बच्चे की मौत हो गई थी। जिसमें अब पुलिस ने जांच के बाद कानूनी कार्यवाही की है। बीते वर्ष शहर के वार्ड 15 के रहने वाले नवीन ने आरोप लगाए थे कि वह अपनी पत्नी लक्ष्मी की डिलिवरी जांच कराने के लिए एक महिला आशा दाई के पास ले गया था। उस महिला ने जांच करने के बाद उसकी पत्नी को दिल्ली मार्ग स्थित निजी अस्पताल कैलाश अस्पताल ले गई। बाद में उसकी पत्नी लक्ष्मी व उसके नवजात शिशु की मौत महिला दाई आशा व डॉ नेहा उर्फ निकिता की लापरवाही के कारण हुई है।

शर्मा भाजपा के खरखौदा मंडल के महामंत्री बने

खरखौदा। मूलतः बरोणा निवासी रोहित शर्मा को भाजपा के खरखौदा मंडल का महामंत्री नियुक्त किया गया है। भाजपा के लोकसभा प्रत्याशी के चुनावी कार्यालय में पार्टी के कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों उन्हें फूल मालाओं व पार्टी का पटका पहनाकर सम्मानित किया गया।

तेजस्वी राणा बना हेड ब्वॉय

सोनीपत। लिटल एंजल्स स्कूल में नये विद्यार्थी परिषद का गठन किया गया। प्रधानाचार्या आशा गोयल ने मुख्य छात्र तेजस्वी राणा और मुख्य छात्रा यादवी चोपड़ा को पदभार सौंपा। विद्यालय के लावण्या, आस्था, सामर्थ्य, सिद्धांत, स्पर्धा व सुरभि हाऊस के सभी नए कप्तान व सहायक कप्तान भी चुने गए। लावण्या हाऊस की कप्तान अनिका जिंदल व सहायक कप्तान सुखलीन कौर, आस्था हाऊस की कप्तान ध्वनि कुकरेजा व सहायक कप्तान विधि शर्मा, सामर्थ्य हाऊस के कप्तान देबार्चन विष्णु चौलिया व सहायक कप्तान रूपेंदर कौर, सिद्धांत हाऊस की कप्तान चैरिल रावल व सहायक कप्तान विधिता, स्पर्धा हाऊस की कप्तान उदिता व सहायक कप्तान हँशिका, सुरभि हाऊस की कप्तान नियति मलिक व सहायक कप्तान प्रतीक को कार्यभार सौंपा गया और सिया राणा को स्पोर्टस कैप्टन का कार्यभार सौंपा गया। हेड ब्वॉय, हेड गर्ल व विद्यार्थी परिषद के सभी चयनित छात्रों ने शपथ ली।

सोनीपत। कार्यक्रम में शामिल होते विद्यार्थी परिषद के पदाधिकारी।

ऋषिकुल विद्यापीठ में सेमिनार का आयोजन, रुचि को समझें और सही विषयों का चुनाव करें, तभी जीवन में सफल होंगे

सोनीपत। ऋषिकुल विद्यापीठ गोहाना रोड में शनिवार को सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार के मुख्य वक्ता शिक्षाविद राहुल मेनन और गरिमा रहे। इस आयोजन में कक्षा आठवीं से दसवीं तक के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। बच्चे अपनी रुचि और क्षमता के अनुसार अपनी उच्च शिक्षा के लिए किस विषय या कोर्स को चुने और कैसे चुने, इसी का मार्गदर्शन करना ही आज के सेमिनार का मुख्य उद्देश्य रहा। पब्लिक स्पीकिंग द्वारा आत्मविश्वास बढ़ाने और स्टेज के डर को समाप्त करने के बारे में भी बताया गया। इस अवसर पर विद्यालय अध्यक्ष नीरज शर्मा ने भी बच्चों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि वे अभी से अपने भविष्य के बारे में सोचें, अपनी रुचि को समझें और सही विषयों का चुनाव करें तभी वे जीवन में सफल हो पाएंगे। विद्यालय प्रभारी अंजु चौहान ने आज के वक्ता का विशेष आभार प्रकट किया और बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

जानलेवा हमले की घटना में संलिप्त दो नाबालिगों को लिया अभिरक्षा में

हरिभूमि न्यूज ▶▶| खरखौदा

- न्यायालय में पेश कर रिमांड पर लिया गया

गोली चलाकर जानलेवा हमला करने की घटना में संलिप्त दो नाबालिगों को पुलिस ने अभिरक्षा में लिया है। जिन्हें न्यायालय में पेश करने के बाद बोस्टल जेल में भेज दिया गया। सिसाना के रहने वाले भरपूर ने 15 अप्रैल को शिकायत दी थी कि रात को वह घर पर था, इसी दौरान किसी के आवाज देने पर उसने बाहर जाकर गेट खोला।

जहां पर राहुल, निशु, विक्कू, भोला व एक अन्य नकाबपोश लड़का खड़ा था। जिन्होंने उसके भाई सुखपाल को जान से मारने की नियत से गोली चला दी। जिसमें उसका भाई बाल-बाल बच गया और हमलावर मौके से धमकी देते हुए फरार हो गए। भरपूर का कहना था कि पुरानी रंजिश को रखते हुए उसके भाई पर हमला हुआ है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया था। अब एएसआइ वेदपाल ने आरोपित नरेश उर्फ निशु, विवेक उर्फ विक्कु, अक्षय उर्फ भोला जोकि सिसाना के रहने वाले हैं और रोहणा के अंकुश व मटिंडू के सुमित को गिरफ्तार किया है। जिन्हें न्यायालय में पेश कर एक दिन के रिमांड पर लिया गया है। इस मामले में शहर की क्राइम यूनिट, खरखौदा ने दो नाबालिगों को भी पकड़ा है। जोकि सोनीपत जिले के ही रहने वाले है, उन्हें न्यायालय में पेश कर आब्जरवेशन होम अंबाला भेज दिया गया है।

जेएलएन के 24 विद्यार्थियों ने जीते स्वर्ण पदक

गोहाना। शहर में गुढ़ा रोड स्थित जेएलएन स्कूल के प्राइमरी विंग के विद्यार्थियों ने अंतर्राष्ट्रीय साइंस ओलंपियाड परीक्षा में 24 स्वर्ण पदक जीत अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। शनिवार को स्कूल के एमडी सुनील शर्मा और प्राचार्य डॉ. सचिन शर्मा ने पदक विजेताओं को सम्मानित किया। संयोजन उप प्राचार्य सूरत शर्मा का रहा। शनिवार को अंतर्राष्ट्रीय साइंस ओलंपियाड का परिणाम घोषित किया गया। गणित ओलंपियाड में कक्षा प्रथम से लैविश, वैभव, सीरत राणा और गौरव शर्मा, कक्षा द्वितीय से दक्ष सांगवान, रौनक और हीरेन, कक्षा तृतीय से अभी शर्मा, भविष्य शर्मा और इशिका शर्मा, कक्षा चतुर्थ से आर्यन नरवाल और वीरेन रोहिल्ला, कक्षा पंचम से मयंक, तनिष्का, राघव और अनिका मलिक ने स्वर्ण पदक प्राप्त किए। इसके अतिरिक्त राष्ट्रीय विज्ञान ओलंपियाड में कक्षा द्वितीय से माही, रौनक और शुभम, कक्षा तृतीय से चिराग वर्मा, विहान नरवाल, भविष्य और इशिका शर्मा अव्वल रहे।

मेधावी प्रतिभाओं को किया सम्मानित

सोनीपत। संत कबीर दास समाज उत्थान सेवा समिति कबीरपुर के तत्वाधान में राजकीय संस्कृत मॉडल माध्यमिक विद्यालय कबीरपुर में मेधावी विद्यार्थियो के लिए प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रुप में अरविंद गैस सर्विसेज के संचालक प्रबंधक रवि मेहरा रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कबीरपुर के नंबरदार बालमुकुंद मेहरा ने की। विशिष्ठ अतिथि जिला सैनी सभा के पूर्व प्रधान डॉ. बालकृष्ण सैनी, सोनीपत पैक्स के पूर्व निदेशक रामभज सैनी, जिला बीजेपी के एससी मोर्चा के उपाध्यक्ष कृष्ण लड़वाल, पूर्व पुलिस अधिकारी रमेश दिलावर, समाजसेवी राधा कृष्ण शर्मा, पूर्व हेडमास्टर धर्मपाल भोरिया, मुख्यद्यापिका अनिता, अमिता मोरवाल, मेनका सैनी रहे। मंच का सफल संचालन दीपक कुमार मंथन ने किया। इस अवसर पर रामभज मेहरा, संदीप नागर, श्याम मंजू मेहरा आदि मौजूद रहे।

सर्वाइकल कैंसर के बारे में महिलाओं को किया जागरूक

सोनीपत। रोटरी क्लब कुंडली ने फिम्स अस्पताल सोनीपत के साथ मिलकर सीआरपीएफ कैंप खेवड़ा में मुफ्त कैंसर स्क्रीनिंग जांच शिविर लगाया। इसमें मैमोग्राफी, पेप्स स्मैर टेस्ट व महिलाओं की फ्री में जांच हुई। फिम्स अस्पताल की डॉ. शिखा मलिक ने महिलाओं को सर्वाइकल कैंसर की बारे में जागरूक किया। कैंप की शुरूआत डीआईजी कोमल सिंह ने की उनके अलावा डीआईजी डॉ. सुषमा शर्मा, एमओएसी मनमीत कौर बराड़ व अन्य उच्च अधिकारी मौजूद रहे। इस कैंप से करीब 100 महिलाओं को फायदा हुआ और 50 के करीब जांच हुई। रोटरी क्लब के प्रधान परविंदर सिंह सीडाना के अलावा उप प्रधान मुल्क राज राजपूत, जितेंद्र कुमार सेट, ऋषि पाल दहिया, सचिन अब्रॉल, शिखर शर्मा और आकाश दहिया मौजूद रहे।

सरपंच ग्राम पंचायत कटवाल
तहसील गोहाना जिला सोनीपत
मो. नं. 9813294900

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत कटवाल द्वारा एससी कण्डम चौपाल की बोली करवाई जाएगी। बोली इसी चौपाल में करवाई जाएगी। इच्छुक बोली दाता समय पर पहुंचकर बोली कार्यक्रम में भाग ले सकते है। बोली की नियम व शर्तें मौके पर बता दी जाएगी।

हस्ता/-सरपंच
ग्राम पंचायत कटवाल
तहसील गोहाना (सोनीपत)

12 ट्रेन रद्द, 6 के मार्ग बदले, परेशान रहे यात्री

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

- किसान आंदोलन के चलते दिल्ली-अंबाला रेलमार्ग पर यातायात है प्रभावित

संयुक्त किसान मोर्चा (अराजनैतिक) के आह्वान पर अंबाला में किसान रेलवे ट्रैक जाम कर बैठे हुए हैं। जिससे रेलवे यातायात बुरी तरह प्रभावित है। शनिवार को चौथे दिन भी ट्रेनों के रद्द किए जाने का सिलसिला जारी रहा। बठिंडा एक्सप्रेस सहित अप व डाउन लाइन की 12 ट्रेनें रद्द रही, वहीं छह जोड़ी ट्रेनों के मार्ग में परिवर्तन किया गया है। जिससे यात्रियों को परेशानियों का सामना करना पड़ा।

अंबाला में किसानों की तरफ से रेलवे ट्रैक जाम करने से लंबी दूरी की ट्रेनें बाधित हैं। जिस कारण यात्रियों को अपनी यात्रा निरस्त करनी पड़ रही है। इससे जहां यात्रियों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, वहीं रेलवे को भी नुकसान झेलना पड़ रहा है। लंबी दूरी की ट्रेनों के रद्द होने से सवारी गाड़ियों व अन्य मेल ट्रेनों में सामान्य से अधिक भीड़ आ रही है। शनिवार को ट्रेनों के रद्द रहने से यात्रियों को दूसरी ट्रेनों के लिए घंटों इंतजार करना पड़ा।

ये ट्रेन रही प्रभावित

गाड़ी संख्या 14507/08 बठिंडा एक्सप्रेस, 12459/60 नई दिल्ली-अमृतसर-नई दिल्ली इंटरसिटी एक्सप्रेस, 12497/98 शान-ए-पंजाब एक्सप्रेस, 12057/58 जन शताब्दी एक्सप्रेस, 14033/34 जम्मू मेल, 22430 दिल्ली सुपरफास्ट एक्सप्रेस ट्रेन रद्द रही। वहीं 11077/78 झेलम एक्सप्रेस, 15707/08 आम्रपाली एक्सप्रेस, 11057/58 दादर एक्सप्रेस, 12919/20 मालवा सुपरफास्ट, 14033/34 जम्मू मेल, 14053/54 हिमाचल एक्सप्रेस का मार्ग परिवर्तित कर चलाया गया।

रेलवे यातायात बाधित

किसानों के रेलवे ट्रैक जाम करने के कारण रेलवे यातायात बाधित है। लंबी दूरी की कई ट्रेनों को रद्द किया गया है, वहीं कई ट्रेनों को दूसरे रास्ते से चलाया जा रहा है। जिससे यात्रियों को परेशानियों का सामना करना पड़ा।

-दीपक कुमार, मुख्य जनसंपर्क अधिकारी, उत्तर रेलवे

गन्नौर संवाददाता की ओर से सभी विद्यालयों के प्राचार्यों को शिक्षा विशेषांक में सहयोग हेतु हार्दिक धन्यवाद !

विनोद राठी
संपर्क सूत्रः-
9416314805

शिक्षा विशेषांक, गन्नौर

समाज कल्याण स्कूल बजाना कला शिक्षा के साथ खेलो का अनुठा केन्द्र

गन्नौर। समाज कल्याण स्कूल बजाना कला का हर वर्ष परीक्षा परिणाम बेहतर रहता है। स्कूल प्रशासन ने बच्चों पर हर समय कड़ी नजर रखते हुए सीसीटीवी कैमरे लगवाने के साथ बसो में जीपीएस व कैमरे की व्यवस्था स्कूल प्रबंधक द्वारा करवा दी गई है। ताकि स्कूल की हर गतिविधि पर हर समय नजर रखी जा सके। स्कूल की निदेशक अनीता कादियान ने बताया कि बच्चों के स्कूल आने जाने के लिए बस की व्यवस्था की गई है। स्कूल में छटी कक्षा से भी साईस प्रयोग करवाए जाते है। अनुभवी व शिक्षित शिक्षक, बच्चों को योग की शिक्षा व अंग्रेजी में निपुण करने के लिए कक्षाएं भी लगाई जाती है। सांस्कृतिक कार्यक्रमों पर विशेष बल दिया जाता है। उन्होंने बताया कि यहा पर कम फीस में उत्तम शिक्षा दी जाती है। प्रधानाचार्य अनिता कादियान ने बताया कि स्कूल बच्चों में अच्छे चरित्र, ईमानदारी व मेहनत के मूल्य को जागृत करने के साथ अच्छे संस्कार दिए जाते है। उन्हें प्रभु भक्त, देश प्रेमी व राष्ट्र निर्माता बनने की प्रेरणा दी जाती है। हर महीने मेडीकल चैकअप की व्यवस्था की गई है। बच्चों के लिए स्कूल आने जाने के लिए छोटे वाहन से बस तक की व्यवस्था की गई है। योग्य, अनुभवी व प्रशिक्षित शिक्षक के साथ पहली से आठवीं कक्षा तक कम्प्युटर शिक्षा अनिवार्य की गई है। स्कूल शिक्षा के साथ खेलो में भी अपनी पहचान बना रहा है। यहां के छात्र शिक्षा प्राप्त कर उच्च विभागों में अपनी सेवाएं दे रहे है। नई शिक्षा नीति के अनुरूप विद्यालय में पाठ्यचर्या, कौशल विकास के लिए समर्पित विद्यालय है। निदेशक संजीव ने बताया कि स्कूल की लक्ष्य छात्रों को बेहतर शिक्षा देने के साथ उनका उज्ज्वल भविष्य करना है। इसी सोच का परिणाम है कि स्कूल ने ग्रामीण क्षेत्र में अपनी पहचान कायम की है।

गार्गी गुरूकुल में छात्रों के बेहतर भविष्य के दिलाए अपने बच्चों को प्रवेश

गन्नौर। जी टी रोड के पास स्थित गार्गी गुरूकुल स्कूल द्वारा संचालित मार्डन कान्वेटं स्कूल शिक्षा के क्षेत्र में नई उचाईयों की ओर बढ़ता हुआ एक प्रगतिशील स्कूल है। विद्यालय में छात्र व छात्रों के लिए होस्टल की सुविधा के साथ बोर्डिंग स्कूल है। छात्रों के बेहतर भविष्य का सवारने के लिए स्कूल निदेशक अनुज व प्रिया त्यागी छात्रों के साथ होस्टल में ही रहकर छात्रों की तैयारी कर बेहतर शिक्षा देते है। उनकी सोच है कि उनके स्कूल के बच्चों का भविरू बेहतर होना चाहिए। स्कूल में छात्रों के लिए क्रिकेट, कबड्डी, स्केटिंग, वालीवाल, योगा आदि के लिए बड़े खेल मैदान के साथ कोच की व्यवसथा है। विद्यालय में संस्कारों, अनुशासन व कठिन मेहनत पर बल दिया जाता है। विद्यालय आधुनिक सुविधाओं से परिपूर्ण है, जिसमें स्मार्ट क्लास, साईस लैंब, कम्प्यूटर लैंब है। आज के आधुनिक युग में शिक्षा का महत्व काफी बढ़ता जा रहा है। हम सभी के लिए उचित शिक्षा, सही मार्गदर्शन काफी चुनौतिपूर्ण है। स्कूल के प्रबंधक अनुज ने बताया कि खुले सामाजिक परिवेश में प्रकार के बच्चों को संस्कारवान शिक्षा दिलवाएं। यह एक बड़ा प्रश्न बनता जा रहा है। जिसके लिए घर का परिवेश व सही विद्यालय का चयन हो ताकि देश के लिए अच्छे नागरिक तैयार हो सके। इसी उद्देश्य के साथ विद्यालय प्रयासरत है। विद्यालय में प्राकृतिक वातावरण तीनो प्रयोगशालाएं व अन्य सभी सुविधाएं है।

शिक्षा विशेषांक, गन्नौर

सतकुम्भा विद्या मन्दिर खेड़ी गुज्जर में खेल नर्सरी के साथ बेहतर शिक्षा की व्यवस्था

गन्नौर। खेड़ी गुज्जर के प्रसिद्ध धार्मिक स्थल सतकुम्भा के पास स्थित सतकुम्भा विद्या मन्दिर स्कूल के साथ कन्या महाविद्यालय भी कई वर्षों से बेहतर शिक्षा दे रहा है। जानकारी देते हुए स्कूल के संस्था के निदेशक कृष्णचन्द्र शर्मा ने बताया कि हमारी साधना, हमारी पहचान, नारी शक्ति, नए कीर्तिमान के साथ आगे बढ़ रहा है। नए सत्र में प्रवेश के लिए दाखिले खुले है। अभिभावकों से आग्रह है कि वे अपने बच्चों को प्रवेश दिलाकर उनका भविष्य उज्जवल बनाएं। मुख्य उद्देश्य बच्चों को उनके लक्ष्य तक पहुंचाकर उनके भविष्य को सवारना है। बाहरवीं कक्षा में विज्ञान, कामर्स व आर्ट तीनों संकाय है। निदेशक कृष्ण चन्द्र ने बताया कि उच्च, शिक्षित व समर्पित स्टाफ, समय- समय पर योग कैम्प व मेडीकल जांच, शैक्षणिक भ्रमण, खेलो के लिए कोच की व्यवस्था, तकनीकी आधार पर शिक्षा, आरओ युक्त पानी आदि सुविधा बच्चों को दी जा रही है। प्रबंधक ने बताया कि हवादार कमरे, खेलने का मैदान, खुला स्वस्थ वातावरण, निशुल्क कम्प्यूटर शिक्षा बच्चों को दी जा रही है। बोर्ड कक्षाओं का शानदार परीक्षा परिणाम स्कूल की पहचान है। गर्मी के मौसम में जनरेटर, ठंडा पानी व बच्चों की जरूरत अनुसार सुविधाएं उपलब्ध करवा रहा है। बच्चों को स्कूल लेकर आने के लिए छोटे वाहन से बड़े वाहन की भी व्यवस्था है। स्कूल के विशाल भवन में पुस्तकालय के अलावा डैस्क- बैंच, सीसीटीवी कैमरे की व्यवस्था की गई है।

S.V.M. SR. SEC. SCHOOL KHERI GUJJAR
सतकुम्भा विद्या मन्दिर
वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय
सतकुम्भा धाम, खेड़ी गुज्जर, त० गन्नौर, जिला सोनीपत

- बड़े वाटर कूलर की सुविधा
- आर.ओ की सुविधा
- खेल के मैदान की सुविधा
- स्मार्ट क्लास की सुविधा
- सायकाल खेलों की सुविधा
- सभी खेलों के अनुभवी प्रशिक्षक
- जेनरेटर की सुविधा
- खेल-खेल में शिक्षा की व्यवस्था
- विद्यार्थियों के लिए बस सुविधा
- हराभरा खेल परिसर
- महीने के अंतिम शनिवार को क्विज कांटेस्ट
- समय समय पर अनुभवी चिकित्सकों के द्वारा स्वास्थ्य जाँच
- सम्पूर्ण परिसर उच्चतम क्वालिटी के सी.सी.टी.वी. कैमरों की सुविधा
- कब्बडी नर्सरी सरकार से मान्यता प्राप्त।

Medical | Non-Medical | Commerce | Arts
Admissions Open Sessions 2023- 24
प्रधानाचार्य संयोगिता शर्मा मो. 94660-37292
अध्यक्ष कृष्णचन्द्र शर्मा मो. 94660-37292
सयोगिंता शर्मा (प्रधानाचार्या) मो० 94660-37292
E-mail : svmschool.2013@rediffmail.com
कृष्णचन्द्र शर्मा (अध्यक्ष) Ph.: 94660-37292

पी एस पब्लिक स्कूल भूरी गुणवत्ता युक्त शिक्षा प्रदान करने वाली अग्रणी संस्था

गन्नौर। गन्नौर- सोनीपत मार्ग पर भूरी गांव के पास स्थित पी.एस. पब्लिक स्कूल अपनी गुणवत्तायुक्त शिक्षा के लिए जाना माना नाम है। विद्यार्थी यहां पर स्वयं कार्य करके विभिन्न शैक्षणिक कौशलो विद्यालय का समस्त स्टाफ कर्तव्य परायणता का सजीव प्रतिबिम्ब है ताकि छात्र उनका अनुसरण करके जीवन में व्यवहारिक मूल्यों का विकास कर सके। स्कूल की प्रत्येक गतिविधि छात्रों द्वारा स्वयं संचालित की जाती है ताकि वे व्यवहारिक जीवन में इन कौशलों का प्रयोग कर सके। शिक्षक इन सभी गतिविधियों के संचालन में मार्गदर्शक की भूमिका में हमेशा इनके साथ रहते है। विद्यालय प्रमुख रामलाल, सहनिदेशक नवीन कुमार, निदेशक संजीव कुमार, उपप्रधानाचार्य गौरव अपने शैक्षणिक अनुभवों से विद्यालय के सभी शिक्षकों के साथ उचित सामंजस्य बनाए रखते हुए प्रत्येक गतिविधि का सतत मूल्यांकन करते रहे है ताकि उपयुक्त फीड बैक, उचित समय पर छात्रों तथा शिक्षकों को दिया जा सके। विद्यालय में बाल वाटिका से लेकर कक्षा बाहरवीं तक विज्ञान, वाणिज्य एवं कला संकाय की शिक्षा प्रदान करता है। विद्यार्थियों में सभी प्रकार की आधुनिक सुविधाएं, प्रयोगशालाएं, खेल गतिविधि, पाठ्य सहायक क्रियाएं, भ्रमण आदि समयबद्ध आयोजन किया जाता है। विद्यालय निदेशक संजीव कुमार के अनुसार अभिभावक अपने बच्चों के सर्वांगीण विकासएवं उज्जवल भविष्य के लिए अपने बच्चों का वर्तमान हमारे योग्य शिक्षकों को सौंपते है और भविष्य की विभिन्न परिस्थितियों के हल के लिए निश्चित हो जाते है। स्कूल का परीक्षा परिणाम 100 प्रतिशत रहने के साथ छात्र 90 प्रतिशत से अधिक अंक अर्जित करने की सूचि में भी अपना नाम दर्ज कराते रहे है। अत: राष्ट्र के विकास के लिए उसके बच्चों के बहुमूल्य संसाधन बनाने के लिए अपने बच्चों का वर्तमान विद्यालय को लाभ ले।

P.S. PUBLIC SCHOOL
Near : Sandal Kalan Railway Station, Ganaur Road, Bhurri (Sonipat)
CBSE Affiliated Co-Education School
English Medium
ADMISSION OPEN
Pre-Nursery to XIIth Science, Commerce, Arts
Contact : 94162-93661, 99962-42451
E-mail : psbhurri@gmail.com Website : www.pspublicschool

शिवालिक पब्लिक सीं सैं स्कूल ने पाई शिक्षा जगत में उन्नति

गन्नौर। खेड़ी रोड पर स्थित शिवालिक पब्लिक वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय ने ऐसा माहौल तैयार किया है। जिसमें बच्चों का मन पढाई में लगे। स्कूल में 11 व 12 वी कक्षा में साईस, कामर्स व आर्ट तीनों संकाय है। स्कूल को अंग्रेजी व हिन्दी माध्यम की शिक्षा दी जाती है। स्कूल के प्राचार्य रमेश पहल ने बताया कि खेलो को बढ़ावा देने के लिए स्कूल में खेल अकेडमी के साथ विभिन्न खेलो के कोच की व्यवस्था की है। खेलो में स्कूल के छात्र पदक जीतकर स्कूल का नाम रौशन कर रहे है। अध्यापकों की देखरेख में स्कूल का काम करवाया जाता है जिस कारण हर वर्ष स्कूल का परीक्षा परिणाम बेहतर रहता है। शैक्षणिक कार्यक्रमों के द्वारा विद्यार्थियों में नैतिक मूल्यों व स्वस्थ आदतों का विकास करवाना है। स्कूल के विशाल भवन में पुस्तकालय के अलावा कम्प्यूटर लैब, डैस्क- बैंच की व्यवस्था की गई है। पढ़ाई के साथ- साथ सामाजिक, सांस्कृतिक गतिविधियों व खेलों में बच्चों की पूर्ण भागीदारी व प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करवाता है। बच्चों को पीने के पानी के लिए आर ओ व वाटर कूलरों की व्यवस्था है। स्कूल के निदेशक रमेश पहल ने अभिभावकों से आह्वान किया कि वे अपने बच्चों का स्कूल में प्रवेश करवाकर उनका भविष्य उज्जवल बनाए। स्कूल में लाईब्रेरी, साईस लैब, बच्चों के आवागमन के लिए बस सुविधा, रेगुलर मेडीकल जांच कैम्प, खेलो के लिए मैदान के साथ कोच की व्यवस्था की गई है। स्कूल ने शिक्षा के क्षेत्र में शहर व गांव में अपनी पहचान बनाई है।

SHIVALIK
PUBLIC SR. SEC. SCHOOL
Kheri Gujjar Road,Gandhi Nagar Ganaur
Ph. 9416486012, 9812599256
SESSION 2024 - 25
ADMISSION OPEN NOW
PP1 TO CLASS XII
(Arts, Commerce & Science)
Applications are invited For the Posts of
TGT-All Subjects
PGT-All Subjects (Arts, Commerce & Science)
PRT-English, Maths, Evs
➢ Mother Teachers:-
DPE (Only women candidates)
Arts & Craft Teacher (Only women candidates)
Cleaners (सफाई कर्मचारी)
Bus Driver
➢ Part Time Coaches:-
Kabaddi, Badminton, Basketball
Candidates, who are dynamic, committed to their profession, proficient in the subjects and in written & spoken English.
Interesting candidates may submit their resume with detailed academic qualifications at the school reception latest by 05-04-2024

एम डी सीनियर सैकेंडरी स्कूल सरढ़ाणा की पहचान, बेहतर शिक्षा शानदार परीक्षा परिणाम व उतम अनुशासन

गन्नौर। गांव सरढ़ाणा में बली कुतुबपुर रोड स्थित एम. डी. सी. सैं स्कूल शिक्षा के क्षेत्र में अपनी विशेष पहचान बनाए हुए है। स्कूल बेहतर शिक्षा शानदार परीक्षा परिणाम व उत्तम अनुशासन के लिए जाना जाता है। स्कूल के छात्र बोर्ड की कक्षाओं में प्रदेश में बेहतर स्थान प्राप्त कर स्कूल का नाम रौशन कर रहे है। प्रतियोगिता के दौर में बच्चों की बेहतर शिक्षा सुनहरे भविष्य व उनके सर्वांगीण विकास के लिए एम डी स्कूल सरढ़ाणा में अपने बच्चों का प्रवेश दिलाकर उज्जवल भविष्य बनाए। स्कूल के प्रधानाचार्य जोगेन्द्र मलिक ने बताया कि संस्था का उद्देश्य शिक्षा में गुणवत्ता व मैरिट के ग्राफ को बढ़ाना, अंग्रेजी हिन्दी माध्यम की सहशिक्षा, मूलभूत भौतिक सुविधाओं से सम्पन्न शैक्षणिक वातावरण, प्रशिक्षित मेहनती स्टाफ है। पढ़ाई के साथ- साथ सामाजिक, सांस्कृतिक गतिविधियों व खेलों में बच्चों की पूर्ण भागीदारी व प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करवाता है। मानव मूल्यों, नैतिक कर्तव्यों व अनुशासन पर विशेष बल दिया जाता है। प्रधानाचार्य जोगेन्द्र मलिक ने अभिभावकों से आह्वान किया कि वे अपने बच्चों का स्कूल में प्रवेश करवाकर उनका भविष्य उज्जवल बनाए। स्कूल में लाईब्रेरी, साईस लैब, बच्चों के आवागमन के लिए बस सुविधा, रेगुलर मेडीकल जांच कैम्प, खेलो के लिए मैदान के साथ कोच की व्यवस्था की गई है ताकि बच्चे शिक्षा के साथ खेलो में नाम कमा सके। उन्होंने बताया कि स्कूल में खेलो की तरफ विशेष ध्यान दिया जा रहा है। लड़के व लड़कियों के अलग-अलग खेल मैदान की व्यवस्था है।

POWERED BY LEAD
M.D. SR. SEC SCHOOL
SARDHANA SONIPAT, HARYANA CONTACT NO: 9813377165
MAKE YOUR CHILD CONFIDENT WITH 5 KEY SKILLS
➢ COMMUNICATION to read, write & speak fluently in English
➢ THINKING SKILLS to solve real life problems
➢ COLLABORATION to develop interpersonal skills
➢ CONCEPTUAL UNDERSTANDING to retain what is taught in the school, for life
➢ EXPOSURE to compete with students from any part of the world

संस्कार भारती स्कूल कामी उज्जवल भविष्य के प्रति सजोए सपने को करता है साकार

गन्नौर। कामी गांव में कुराड़ रोड पर स्थित संस्कार भारती सीनियर सैकेंडरी स्कूल अभिभावकों द्वारा अपने बच्चों के उज्जवल भविष्य के प्रति सजोए सपने को साकार करता है। स्कूल में छात्रों को बेहतर शिक्षा दी जाती है। स्कूल के निदेशक समय सिंह ने बताया कि स्कूल में खेल मैदान विशाल है। योग्य, अनुभवी व प्रशिक्षित शिक्षक है। स्कूल यथानात तथों गुण की कसौटी पर खरा उतरते हुए शिक्षा के क्षेत्र में आयाम कायम कर रहा है। आत्म विश्वास व अनुशासन की भावना को विकसित कर रहा है। स्कूल में प्लेवे पद्वति से बच्चों का चहुंमुखी विकास करवाया जाता है। समय समय पर विभिन्न प्रतियोगिताओं एवं सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन किया जाता है। विद्यालय का मूल मंत्र छात्रों को नैतिक मूल्यों की गुणवता युक्त शिक्षा देने के लिए समान अवसर प्रदान करना है। स्कूल में छात्रों के लिए सभी प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध है। शुद्ध पेयजल के लिए आर ओ की सुविधा, स्वच्छ वातावरण, सुन्दर प्रांगण, प्रत्येक कक्षा में सीसीटीवी कैमरे, कम्पयूटर लैंब, पुस्तकालय व परिवहन की सुविधा है। विद्यालय का हरियाली युक्त खुला शांत वातावरण सर्वागीण विकास में सहायक है। खेल- खेल में शिक्षा दी जाती है। ग्रामीण क्षेत्र का बेहतर स्कूल है। निदेशक समय सिंह ने अभिभावकों से स्कूल में प्रवेश दिलाने की अपील की।

School Code : 26499 | Affiliation Code : 18013
SANSKAR BHARTI VIDYA PEETH
An English Medium Co-Educational Sr. Sec. School
(Arts, Commerce, Medical & Non-Medical)
- Qualified, experienced, trained and dedicated teaching staff
- 100% Quality Result, Based on CBSE pattern.
- To organise Educational trips, Sports and cultural activities
- Library & Science Lab Facilities available.
- Affordable Fee Structure.
- Transport Facility available.
- Computer Laboratory to develop child's memory, observation and logical thinking.
BEST SPORTS FACILITY
ADMISSION OPEN
Ph. : 8397021416, 9466539374, 9050934769
Our moto "Bright Future"
MR. SAMEY SINGH PRINCIPAL
School Address : Kami to Kurar Road, Kami (Sonipat) HR Pin Code : 131001

चाइल्ड केयर इंटरनेशनल स्कूल शेखपुरा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास व सपने को साकार करता है

गन्नौर। विद्यालय (स्कूल) शब्द दो शब्दों के योग से बना है। विद्या+आलय अर्थात विद्या का घर प्रत्येक बालक घर की चार दिवारी से निकलकर अपने सर्वांगीण विकास हेतु विद्यालय में प्रवेश लेता है और विभिन्न प्रकार की शिक्षा ग्रहण कर अपना चहुमुखी विकास करता है। इसी सपने को साकार करने की राह पर चाइल्ड केयर इंटरनेशनल स्कूल शेखपुरा (गन्नौर) अपने विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर बोल देता है तथा यह विभिन्न प्रकार की सुविधाओं से भी परिपूर्ण है। इसका भवन ऐसी जगह पर है ताकि विद्यार्थियों को शांति व उचित माहौल के साथ पढ़ाया जा सके यहां विद्यार्थियों की पढ़ाई के साथ-साथ सभ्यता और संस्कृति से भी उनको जोड़कर रखा जाता है ताकि वह एक सभ्य नागरिक बन सके तथा इसमें सभी त्योहार जयंती तथा सभी उत्सवों को जोर-जोर से मनाया जाता है तथा सभी उत्सवों का महत्व समझाया जाता है। खेलों के क्षेत्र में भी यह विद्यालय अग्रणीय है, सातवीं कक्षा की ओजस्वी ने मुक्केबाजी के क्षेत्र में राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में तीसरा स्थान जीतकर विद्यालय का नाम रोशन किया है। इसी के साथ विद्यालय में भी विशेष तौर पर ऐसे विद्यार्थियों को सम्मानित किया जाता है जिसे सभी विद्यार्थियों को प्रेरणा मिल सके तथा उनमें आगे बढ़ाने का नेतृत्व मिल सके। विद्यालय में गर्मी के मौसम से बचने के लिए ऐसी की सुविधाएं हैं तथा उचित पेयजल तथा स्मार्ट क्लास भी उपस्थित है ताकि आज के समय के तकनीकी माहौल को विद्यार्थियों से अवगत कराया जा सके। अतः विद्यालय विद्यार्थियों के संपूर्ण अथवा सर्वांगीण विकास पर पूर्णतया बल देता है आते अभी विद्यालय परिसर में पधारकर अपने बच्चों के उज्जवल भविष्य के लिए पहला कदम उठा सकते हैं।

Dream ★ Believe ★ Achieve
Child Care International School
(A fully Air-Conditioned, Affiliated to C.B.S.E. School)
Invites Application for the post of:
➢ TGT English, S.S.
➢ PGT
➢ PRT All Subject
➢ Mother Teacher
➢ Driver (Preferred from Sonipat City)
Note: All candidates must be well experienced and fluent in English
Send resume on this number 9991155494 OR E-mail:- ccischool2019@gmail.com
SALARY NO BAR
Shortlisted candidates will be called
Walk in Interview on all working days at 9.00 a.m to 1.00 p.m.
(Note:- Transport Facility available from Sonipat)
ADMISSION OPEN
Khubru Road, Sheikhpura, Ganaur, Distt. Sonipat-131101
9991155494, 8572810494

SANT VIVEKANAND VIDYAPEETH
Based on C.B.S.E. Pattern | Kailana Road, Purkhas
M.: 9416193777, 9518001596
सन्त विवेकानन्द विद्यापीठ पुरखास
ADMISSION OPEN NUR. TO XIITH
Top in Ganaur Block in 2010, 2015 & 2019
TEACHER REQUIRED
* P.R.T. All Subject
* T.G.T. & P.G.T.
For English, Math, Science
Experienced will be preferred
Send Bio-data on whatsapp number 9416193777, 9518001596
E-mail : santvivekanand72@gmail.com
1st Position In Haryana State In Board Exam-2017

संत विवेकान्नद विद्यापीठ पुरखास के छात्र ने ब्लाक, जिला व प्रदेश मे शिक्षा में चमकाया है नाम

गन्नौर। संत विवेकान्नद विद्यापीठ स्कूल पुरखास के छात्रों ने ब्लाक, जिला व प्रदेश पर स्कूल का नाम रौशन किया है। स्कूल पिछ्ले कई सालों से बेहतर परिणाम लाकर परीक्षा परिणाम बेहतर रहते हुए अपनी विशेष पहचान बनाए हुए है। स्कूल के प्रधानाचार्य राजकुमार गुलिया ने बताया कि वर्ष 2015-16 में गन्नौर ब्लाक में प्रथम, 2016-17 में हरियाणा में प्रथम, 2017-18 में सोनीपत जिले में प्रथम स्थान, वर्ष 2018-19 में गन्नौर ब्लाक में प्रथम स्थान, महामहिम पूर्व राज्यपाल प्रो. कप्तान सिंह सोलंकी द्वारा सम्मानित, पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल द्वारा सम्मानित, पूर्व शिक्षा मंत्री रामबिलास शर्मा द्वारा सम्मानित, भिवानी बोर्ड के पूर्व चेयरमैन डा.जगबीर सिंह द्वारा सम्मानित, तत्कालीन उपायुक्त विनय सिंह, तत्कालीन उपायुक्त के मकरंद पांड़रंग द्वारा सम्मानित, पूर्व स्पीकर कुलदीप शर्मा द्वारा सम्मानित, समाजसेवी देवेन्द्र कादियान व पुरखास ग्राम पंचायत द्वारा द्वारा मेधावी छात्रों को सम्मानित किया गया। स्कूल में शिक्षा के साथ विभिन्न खेलो पर बल दिया जाता है। जिस का परिणाम है कि स्कूल के साथ खेलो में नाम रौशन कर रहे है। गुलिया ने अभिभावक से अपील की है कि वे अपने बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए संत विवेकान्नद स्कूल में प्रवेश दिलाकर उज्जवल भविष्य बनाए।

रतिराम मैमोरियल सीं सैं स्कूल खुबडू की शिक्षा के साथ खेलो में है पहचान

गन्नौर। खुबडू गांव में रतिराम मैमोरियल सीं सैं स्कूल अभिभावकों द्वारा अपने बच्चों के उज्जवल भविष्य के प्रति सजोए सपने को साकार करता है। स्कूल में 11 वीं 12 वीं मेडीकल, आर्टस, कामर्स की कक्षाओं में बच्चे अच्छी शिक्षा ग्रहण कर रहे है। प्रधानाचार्या रतन बाला धनखड़ व प्रंबधक रविन्द्र धनखड़ ने बताया कि स्कूल में हर कक्षा में कैमरे लगवाने के साथ आधुनिक शिक्षा की व्यवस्था की गई है। बच्चों के आवागमन के लिए बसों की सुविधा है। गर्मी में शीतल व आरओ युक्त पानी की सुविधा है। स्कूल में कबड्डी, एथलैटिक्स आदि खेल मैदान है। योग्य, अनुभवी व प्रशिक्षित शिक्षक के साथ पहली से बाहरवीं कक्षा तक कम्प्युटर शिक्षा अनिवार्य की गई है। शानदार परीक्षा परिणाम इसकी पहचान है। ग्रामीण क्षेत्र में स्कूल ने शिक्षा व खेलो में अच्छी पहचान कायम की है। रविन्द्र धनखड़ ने बताया कि हवादार कमरे, खेलने का मैदान, खुला स्वस्थ वातावरण, कम्प्यूटर शिक्षा बच्चों को दी जा रही है। बोर्ड़ कक्षाओं का शानदार परीक्षा परिणाम स्कूल की पहचान है। बच्चों को स्कूल लेकर आने के लिए छोटे वाहन से बड़े वाहन की भी व्यवस्था है। स्कूल के विशाल भवन में पुस्तकालय के अलावा कम्पयुटर लैब, डैस्क- बैंच, सीसीटीवी कैमरे की व्यवस्था की गई है।

"We effort makes Bright Future"
Rati Ram Memorial Sr. Sec. School
KHUBRU, SONIPAT
An English Medium Co-Edu. (Permanent Recognised)
SCIENCE | COMMERCE | ARTS
REGISTRATION OPEN Nursery to XII Class
ACTIVITIES & FACILITIES:-
- Regular P.T.M. & Parent's Participation Programs.
- Secure Campus with CCTV Surveillance.
- Well equipped Physics, Chemistry, Biology & Computer Lab
- Outstanding Board Result of 10th & 12th Class.
- Safe & Under CCTV Surveillance transport facilities.
- Sports & Game by Special Coach.
Transport Facility - Sitawali, Kailana, Seyakhera, Bhanwar, Sheikhpura, Ganaur, Kheri Bilandpur, Naya Bans, Ahulana, Shamspur, Gamra, M.P. Majra
आपका विद्यालय शिक्षा के साथ-साथ खेलों में भी अग्रणीय रहा है। विद्यालय सभी सुविधाओं से लैस है
Managing Director Ravinder Dhankhar | Principal Rattan Bala
Contact us: 9466664770 | E-mail: ratiramschool0001@gmail.com

नव ज्योति सीनियर सैकेण्डरी स्कूल खुबडू-भावर ने शिक्षा जगत में बनाई पहचान

गन्नौर। गन्नौर- गोहना मार्ग पर कैलाना मोड़ के पास स्थित नव ज्योति सीनियर सैकेण्डरी स्कूल खुबडू-भांवर ने नई शुरूआत करते हुए शहरी बच्चों का गांव के स्कूल में पढने का रूझान बढाया है। आज शहर से बच्चे नव ज्योति स्कूल में पढने जा रहे है। स्कूल के प्राचार्य राजेन्द्र कौशिक ने बताया कि स्कूल का मुख्य उद्देश्य बच्चों को उनके लक्ष्य तक पंहुचाकर उन्हें सफल बनाना है। स्कूल के प्रयास के कारण बच्चे गांव के खुले वातावरण में पढने जाते है। कौशिक ने बताया कि उच्च, शिक्षित व समर्पित स्टाफ, समय- समय पर योग कैम्प व मेडीकल जांच, शैक्षणिक भ्रमण, खेलो के लिए कोच की व्यवस्था, तकनीकी आधार पर शिक्षा, आरओ युक्त पानी आदि सुविधा बच्चों को मिलती है। छोटे बच्चों को खिलौनो के माध्यम से भी ज्ञान दिया जाता है ताकि बच्चे आसानी से पढाई पढ सके। कई बार संस्था बेहतर कार्य करने पर उपमंडल प्रशासन के अलावा विभिन्न समाज सेवी संस्थाओं से शिक्षा के साथ सामाजिक कार्यो में बेहतर रूचि लेने के कारण भी सम्मानित हो चुकी है। खेलो में भी बच्चे पदक प्राप्त कर रहे है। प्राचार्य राजेन्द्र कौशिक ने अभिभावकों से अपील की कि वे अपने बच्चों के सुनहरी भविष्य के लिए नव ज्योति स्कूल में प्रवेश करवाएं ताकि आपके बच्चे का भविष्य उज्जवल हो सके।

NAVJYOTI SHIKSHA SADAN
Khubru – Bhanwar, Ganaur (Sonipat) Ph. : 9812096582
Principal Rajender Kaushik
Admission Open SESSION 2024-25
(Based on C.B.S.E. Pattern) Nur. To 10+2
ART | COMMERCE | SCIENCE
- Qualified experienced, trained and dedicated teaching staff.
- 100% Quality Result accomplished in Board examination.
- Attractive, Airy School Building with lush Green Park.
- To organise Educational trips, Sports and cultural activities.
- Pollution free, peaceful learning environment.
- Library & Science Lad Facilities available.
- Affordable Fee Structure.
- Transport & Day Boarding Facility available.
- Nur. to XI Based on CBSE pattern,
- Computer Laboratory to develop child's memory observation and logical thinking.

विशेषः पृथ्वी दिवस, 22 अप्रैल

हम सभी इस बात को जानते और समझते हैं कि हमारा वजूद पृथ्वी की वजह से ही संभव है। इसके बावजूद हमारी गतिविधियां धरती को लगातार संकटग्रस्त कर रही हैं। इसके दुष्प्रभाव दिखने लगे हैं और भविष्य में स्थितियां और भी भयावह हो सकती हैं। ऐसा ना हो, हमारी धरती और हम सभी सुरक्षित रहें, इसके लिए बिना देर किए हर किसी को प्रयास करने होंगे।

हमारे कारण संकटग्रस्त हो रही है हमारी पृथ्वी

कवर स्टोरी / शिखर चंद जैन

जिस धरती मां ने हमें जीवन दिया, प्राणवायु दी, पीने को पानी और खाने को भोजन दिया, आज वही अपनी जीवनरक्षा के लिए जूझ रही है। हम मनुष्यों ने स्वार्थ और सुविधाओं में खोकर इसका बेतहाशा दोहन किया है, जिससे प्राकृतिक संतुलन बिगड़ गया है। हमारी लापरवाही और स्वार्थ के कारण न सिर्फ पृथ्वी का अपने मूल स्वभाव में बने रहना दूभर हो रहा है बल्कि इसकी गति और स्वाभाविक गतिविधियां भी बाधित हो रही हैं।

गति में आ रही बाधा

आपको जानकर आश्चर्य होगा कि वनों की बेतहाशा कटाई, प्राकृतिक संपदा के नासमझीपूर्ण उपयोग और दोहन से धरती के सबसे ठंडे स्थान भी धीरे-धीरे गर्म होने लगे हैं। अंटार्कटिका में बर्फ पिघलने से पृथ्वी की घूर्णन गति में भी कमी आ रही है, जिससे विश्व की घड़ियां भी गड़बड़ा सकती हैं। पृथ्वी हर 23 घंटे 56 मिनट और 4 सेकेंड में अपना चक्कर पूरा करती है। इसके घूमने की गति 1674 किलोमीटर प्रति घंटा है। यह रफ्तार किसी लड़ाकू विमान जितनी है। पर पृथ्वी का आकार इतना बड़ा है कि हमें इसके घूमने का पता नहीं लग पाता। अंतरिक्ष या उपग्रहों के जरिए पृथ्वी को घूमते हुए देखा जा सकता है।

एक नए अध्ययन में पाया गया कि इसके सर्व निर्देशांकित समय (कोर्डिनेटेड यूनिवर्सल टाइम) में से एक सेकेंड कम करने की आवश्यकता पड़ सकती है। इस अध्ययन के लेखक डंकन एग्न्यू हैं। ये अमेरिका के सेंडियागो में कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय में भू-भौतिक विज्ञानी हैं। यह अध्ययन 'नेचर' पत्रिका में प्रकाशित हुआ है।

नष्ट हो रहे ऑक्सीजन स्रोत

पृथ्वी पर ऑक्सीजन के मूल स्रोत पेड़-पौधे लगातार नष्ट हो रहे हैं। इसके साथ ही नदियां, समुद्र और जल संग्रह प्रदूषित और विषाक्त होते जा रहे हैं। जंगलों में आग लगने की घटनाएं दिनों- दिन बढ़ रही हैं। पिछले कई दिनों से तमिलनाडु के नीलगिरी में कुन्नूर वन क्षेत्र में जंगल की आग भड़क रही है। 1901 के बाद फरवरी 2024, दक्षिण भारत में सबसे गर्म महीना रहा है। पिछले दो महीने में दक्षिण भारत के कई राज्यों में अधिकतम, न्यूनतम और औसत तीनों ही तापमान सामान्य से ऊपर बने हुए हैं। इसी के परिणामस्वरूप सर्दियों के मौसम के दौरान भी इन वनों में शुष्क बायोमास की उपलब्धता बहुत ज्यादा है, जिसके कारण आग तेजी से फैल रही है। जंगलों में आग लगने का सबसे आम कारण मानवीय लापरवाही है। इसके अंतर्गत जलती हुई माचिस, सिगरेट के बिन बुझे टोटे को फेंकना, जंगलों में खाना पकाना, जानवरों को मारने के लिए या उन्हें डराने के लिए आग जलाना, शहद इकट्ठा करने के लिए आग लगाना आदि कारण शामिल हैं। प्राकृतिक कारणों में बिजली गिरना भी इसकी एक बड़ी वजह है। 2021 में भारत के कई राज्यों में वन अग्नि की अनेक घटनाएं देखने को मिलीं। साल 2023 में गोवा के वन क्षेत्र में बड़ी आगजनी की घटना हुई। 2024 में अब तक मिजोरम में 3738, मणिपुर में 1702, असम में 1652, मेघालय में 1252 और महाराष्ट्र में 1215 आग लगने की घटनाएं रिकॉर्ड की गईं।

बिगड़ रहा है आकार और प्रकार

पृथ्वी पर गर्मी बढ़ने से ग्लेशियर पिघलते जा रहे हैं। इसका असर पृथ्वी की बेस लाइन पर पड़ रहा है और इसका शेप बिगड़ रहा है। हम इतना प्रदूषण फैला रहे हैं कि 2050 तक धरती का तापमान 2 डिग्री और बढ़ जाएगा। ऐसा हुआ तो कहीं भीषण सूखा पड़ेगा तो कहीं विनाशकारी बाढ़ आएगी। ग्लेशियर पिघलकर नष्ट हो जाएंगे तो जाहिर है इसके कारण समुद्र का जल स्तर बढ़ जाएगा। बढ़े हुए जल स्तर के कारण कई शहर हमेशा के लिए डूब जाएंगे। आपको जानकर चिंता और हैरानी होगी कि धरती पर समस्त जीवित प्राणियों यानी जल, थल, नभ में रहने वाले पशु-पक्षियों और पेड़-पौधों का कुल भार से, मनुष्य निर्मित चीजों जैसे इमारतों, मशीनों आदि का भार बढ़ गया है। इसका वजन 2040 तक तीन टेराटन हो जाएगा। एक टेरा टन यानी ट्रिलियन टन के बराबर होता है और 1 टन में हजार किलोग्राम होते हैं। इसी से अंदाजा लगा सकते हैं कि यह भार कितना ज्यादा होगा। प्लास्टिक का इस्तेमाल भी हम बेतहाशा करने लगे हैं। इसका दुष्परिणाम भी पृथ्वी को ही भोगना पड़ रहा है।

ऐसे बचाएं अपनी धरती

धरती मां को बचाने के लिए हम सभी को प्रण करना होगा कि अपनी धरती को बचाने के लिए कोई भी कसर नहीं छोड़ेंगे। हमें जियो और जीने दो के मूल मंत्र पर काम करना होगा। इसके लिए पशु-पक्षियों का अनावश्यक शिकार रोकना होगा। मांसाहार छोड़कर शाकाहार अपनाना होगा। प्लास्टिक का न्यूनतम उपयोग करने का निश्चय करना होगा। पेड़-पौधों का संरक्षण और संवर्द्धन करना होगा। पर्यावरण को गर्म करने वाली गैसों का उत्सर्जन रोकने के लिए हमें तरह-तरह के उपाय करने होंगे। इसके लिए हमें जीवनशैली को ईकोफ्रेंडली बनाना होगा। इसके तहत बेवजह बिजली का उपयोग यानी बर्बादी रोकनी होगी। जैविक ईंधन यानी पेट्रोल, डीजल, केरोसिन तेल की बर्बादी रोकने और इनका उपयोग न्यूनतम करने का प्रयास करना होगा। साथ ही सौर ऊर्जा के उपयोग की आदत डालनी होगी। वैज्ञानिकों को भी गैर जैव ऊर्जा का निर्माण करने की ओर प्रयास करने होंगे। हमें अपनी दैनिक आदतों में जीरो वेस्ट नीति अपनाने, पानी के दुरुपयोग को रोकने और कचरे का सही निस्तारण करने जैसी आदतें शामिल करनी होंगी। कुल मिलाकर धरती की सेहत तभी सुधरेगी, जब हम इसका अनावश्यक दोहन करने की प्रवृत्ति पर लगाम कसने में कामयाब होंगे। *

ग्लोबल वार्मिंग से बढ़ रहा आइसक्रीम का कारोबार

साल 2022 में, भारत में आइसक्रीम बाजार का आकार 3 बिलियन अमेरिकी डॉलर से ज्यादा था, जबकि अगले पांच सालों में 13.49 फीसदी की सालाना वृद्धि दर का अनुमान है। वैश्विक आइसक्रीम बाजार की बात करें तो साल 2018 में यह 62.4 बिलियन डॉलर था, जबकि साल 2025 तक इसके बढ़कर 97.3 बिलियन डॉलर होने का अनुमान है। इन दो तथ्यों से साफ है कि जैसे-जैसे धरती के तापमान में बढ़ोत्तरी हो रही है, उसी रफ्तार से इंसान में गला तर करने वाली ठंडी चीजों की चाहत बढ़ रही है। इससे साफ है कि नए-नए स्वादों, प्रकारों के चलते क्या विकसित और क्या विकासशील, सभी देशों में आइसक्रीम की मांग बढ़ रही है। आइसक्रीम का ग्लोबल वार्मिंग के साथ महज विरोधाभासी रिश्ता भर नहीं है बल्कि सूक्ष्म स्तर पर ही इससे यह साबित होता है कि बढ़ रही गर्मी की बेचैनी ने इंसान को आइसक्रीम जैसी ठंडी चीजों की तरफ आकर्षित किया है।

जानकारों की माने तो साल 2024 आइसक्रीम के करोबार के लिहाज से बहुत हॉट होने वाला है, विशेषकर भारत में जहां आशंका है कि इस साल बाकी सालों के मुकाबले 20 से 22 दिनों तक ज्यादा गर्मी पड़ेगी। साथ ही 13 से 17 दिन तक ज्यादा लू चलेगी। ऐसी स्थिति में ठंडी-ठंडी आइसक्रीम का कारोबार बढ़ेगा ही। खासकर तब, जब आइसक्रीम के बाजार में नए से नए एक्सपेरिमेंट भी हो रहे हैं। इसके अलावा आज अपने देश के लगभग सभी बड़े शहरों में इंडियन आइसक्रीम एक्सपो आयोजित होने लगे हैं। इंडियन मैरिज बाजार के अध्ययन के मुताबिक पिछले एक दशक में शादियों में आइसक्रीम का चलन 20 फीसदी तक बढ़ा है और खान-पान का एक महत्वपूर्ण हिस्सा आइसक्रीम बन गई है। यह भी देखने में आ रहा है कि अब सिर्फ बच्चे ही आइसक्रीम के दीवाने नहीं हैं, अपने देश में होने वाली शादियों में 35 फीसदी से ज्यादा आइसक्रीम बूढ़े और अधेड़ खाते हैं।

डॉक्टर और मनोवैज्ञानिक दोनों इस निष्कर्ष से सहमत हैं कि ग्लोबल वार्मिंग के चलते लोगों में गर्मी के एहसास की जो बेचैनी बढ़ी है, उस वजह से लोगों में मीठा और ठंडा खाने की ललक बढ़ रही है। मतलब साफ है कि जब आसमान से आग बरसेगी तो लोग खुद को तरोताजा रखने के लिए आइसक्रीम जैसी ठंडी चीजों की तरफ आकर्षित होंगे ही। -नयनतारा

महेंद्र सिंह धोनी क्रिकेट के सुपर स्टार्स में शामिल हुए हैं तो इसकी वजह है, उनकी पर्सनालिटी में शामिल कुछ विशेष गुण। इन गुणों को सीखकर आप भी अपनी फील्ड में सफल लीडर बन सकते हैं।

लीडरशिप के कई गुण हमें सिखाते हैं महेंद्र सिंह धोनी

मोटिवेशन / अतुल मलिकराम

अपने क्षेत्र विशेष में किसी न किसी व्यक्ति के ऊपर लीडरशिप का जिम्मा होता ही है। मायने यह रखता है कि वह उसे निभाता किस तरह से है? इस लिहाज से सबसे पहले याद आने वाले नामों में महेंद्र सिंह धोनी का नाम भी शामिल है। धोनी की लीडरशिप क्वालिटीज के बारे में आप भी जरूर जानना चाहेंगे।

उदाहरण से लीड करना : उदाहरण के तौर पर नेतृत्व करना धोनी की लीडरशिप की सबसे महत्वपूर्ण खूबियों में से एक है। धोनी के भीतर हमेशा ही अटूट समर्पण, अविश्वसनीय कार्य नीति और अत्यधिक शांत रहकर अच्छा काम करने की कला रही है। निरंतर सुधार के लिए उनकी प्रतिबद्धता और लगातार शानदार परफॉर्मेंस देने की उनकी क्षमता हमेशा ही उनके साथियों को अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए प्रेरित करती है।

दृढ़ विश्वास से निर्णय लेना: सामान्य स्थिति से परे, विशेष रूप से दबाव में धोनी की निर्णय लेने की क्षमता तारीफ के काबिल है। चाहे वह एक साहसिक टीम का चयन हो, बैटिंग के ऑर्डर का एडजस्टमेंट हो या फिर एक खेल की दिशा बदलकर रख देने वाला कदम, धोनी ने हमेशा अपनी प्रवृत्ति का समर्थन किया और दृढ़ विश्वास के साथ निर्णय लिया। इस अटूट आत्म-विश्वास ने न सिर्फ उन्हें सम्मान दिलाया, बल्कि उनकी टीम में आत्मविश्वास भी जगाया। अपने फैसले पर भरोसा करना और प्रतिकूल परिस्थितियों में भी साहसिक निर्णय लेना हम उनसे सीख सकते हैं।

संयम बनाए रखना: जब दबाव की अधिकता हो, ऐसी स्थिति में धोनी का शांत और संयम वाला व्यवहार सबसे अलग निखरकर आता है। उन्होंने कभी भी स्थिति की गंभीरता को खुद पर हावी नहीं होने दिया, बल्कि हमेशा ही अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करते हुए तर्कसंगत निर्णय लिया और अपनी क्षमता से सभी को चकित किया। धोनी का धैर्य हमें चुनौतीपूर्ण समय के दौरान समभाव बनाए रखना सिखाता है।

विनम्रता से काम लेना: अपनी अविश्वसनीय उपलब्धियों के बावजूद धोनी हमेशा ही जमीन से जुड़े और विनम्र बने रहते हैं। वे कभी भी अपनी सफलता का श्रेय स्वयं को नहीं देते हैं, बल्कि अपनी टीम के सामूहिक प्रयासों को देते हैं। लीडर के रूप में, हमें भी विनम्रता से काम लेना चाहिए।

अनुकूलनशीलता और नवीनता: बदलती परिस्थितियों के अनुकूल होने की धोनी की क्षमता और उसके अनुसार नई रणनीतियों के प्रति उनका झुकाव उन्हें अन्य सभी लीडर्स की भीड़ से अलग करता है। स्थिति को देखते हुए हमेशा नए तरीकों की तलाश में रहने वाले धोनी, नई रणनीति और तकनीकों के साथ प्रयोग करने से कभी नहीं डरते हैं। सभी लीडर्स में बदलाव को अपनाने का गुण होना चाहिए।

प्रभावी संवाद: धोनी के लीडरशिप के गुण में कम्युनिकेशन की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। उनके पास अपने विचारों को स्पष्ट रूप से और संक्षेप में यह सुनिश्चित करने की क्षमता है कि टीम का प्रत्येक सदस्य अपनी भूमिकाओं और जिम्मेदारियों को समझे। लीडर्स को चाहिए कि वे प्रभावी कम्युनिकेशन स्किल्स विकसित करने का प्रयास करें, जिससे एक ऐसा वातावरण तैयार हो सके, जहां विचारों का स्वतंत्र रूप से प्रवाह हो और सहयोग को बढ़ावा मिले।

सुनने की क्षमता : धोनी के लीडरशिप के गुणों में से एक है शांति से टीम के सदस्यों की बात सुनने की क्षमता। वे हमेशा ही अपनी टीम के सदस्यों की राय को महत्व देते हैं, उनसे मिलने वाली प्रतिक्रिया को स्वीकार करते हैं और विभिन्न दृष्टिकोणों पर विचार करते हुए निर्णय लेते हैं। कुशल लीडर में यह कला होनी चाहिए।

दूसरों को प्रेरित करना: धोनी के पास अपनी टीम के सदस्यों को प्रेरित करने की अनूठी क्षमता है। वे टीम को अपनी क्षमताओं में विश्वास पैदा कराने का बखूबी हुनर रखते हैं। वे अपनी टीम को चुनौतियों से पार पाने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। लीडर के रूप में, हमें चाहिए कि हम अपनी टीम को हमेशा प्रेरित करने का प्रयास करें।

रोल मॉडल बनें: धोनी की लीडरशिप की विशेषता उनके रोल-मॉडल बनने संबंधित व्यवहार से भी है। वे अनुशासन और समर्पण के लिए उच्च मानक स्थापित करते हुए, अपनी टीम के सदस्यों के कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहने की ताकत रखते हैं। लीडर के रूप में, हमें भी अपने लोगों को प्रेरित करते हुए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन का प्रयास करना चाहिए। *

कविता / डॉ. नवीन दवे मनावत

बचाने को धरती

वन सूख रहे हैं
पेड़ तरस रहे हैं पानी को
नदियां कर रहीं विलाप
पर्वत गा रहे दुखड़ा
तुम आओ शकुंतला एक बार।
इनको सहलाने, बहलाने
सुनने को क्षणिक पीड़ा
प्रकृति के साथ एक बार फिर रिश्ता
स्थापित करो
मानव को समझाने के लिए आओ।
हे शकुंतले !
कण्व ऋषि का आश्रम
अब बन गया है
अट्टालिकाओं का शहर
हवन कुंड बन गए हैं
कारखानों की चिमनियां
मंत्र ध्वनियां बन गई हैं युद्ध
की मिसाइलें
धर्म बन गया दानव।
सीता तुम भी आओ वन में एक बार
उज्ज्वल करने वाल्मीकि आश्रम को
समता, ममता स्थापित करने को
लव-कुश तुम रोको
विनाश के अश्वमेध को
तुम्हें बुला रही हैं वहीं पेड़
की टहनियां
जिससे बने थे धनुष और बाण
करने को दमन पाप।
ओ वनपुत्रों तुम रोको
शहर की ओर
बढ़ते कदमों को, सहेजो प्रकृति को
जिसने दिया अनुपम आश्रम
रोको और टोको
रोकना-टोकना जरूरी है
बचाने को धरती
रहने को मानवता...

कहानी
यशोधरा भटनागर

पति के गुजरने के बाद वह अकेली रह रही थीं। चारों बच्चे उनसे दूर अपने-अपने जीवन में मशगूल। बच्चों के स्नेह को तरसती, यादों के सहारे जीती एक वृद्धा की मार्मिक कहानी।

एलबम

बेचैनी और घबराहट भरी खाली-खाली रात के बाद सुबह आई, अलसाई सुबह। किसी काम में मन नहीं लग रहा था। बेमन से ही अपनी दिनचर्या को निभाती हुई बगीचे में लाल गुलाब, मोगरा, हरी-हरी दूब से दो बातें करने चल दीं। जल बिंदु पुष्प पंखुड़ियों पर, हरी दूब पर दमकने लगे, हवा के हल्के से झोंके के साथ मन भी बहने लगा। कमर में खोंसा हुआ मोबाइल निकाल कर, चश्मा ठीक करके एक बार फिर देखा कि कोई फोन तो नहीं...। सामने गुलमोहर पर बुलबुल अपने बच्चों को उड़ना सिखा रही थी। वे एकटक देखने लगीं और विचारों की एक लंबी कड़ी जुड़ गई... विचार श्रृंखला में उलझा मन। तभी गेट बजा, जरूर 'भूरी' होगी। तंद्रा टूटी, विचारों का ताना-बाना विच्छिन्न हो गया।

अपने सींगों से 'भूरी' गेट टनटना देती है। बिना नागा इसी समय रोटी लेने आती है यह 'भूरो', अपने भूरे रंग से गोमाता ने यह संज्ञा पा ली थी। 'भूरी' के पीछे-पीछे टॉमी भी जूली और चार बच्चों के साथ दुम हिलाते हुए पहुंच गया। सुमी रसोई घर की ओर चल दीं। रात को ही अपनी दो रोटियों के साथ भूरी और श्वान परिवार के लिए भी रोटियां बनाकर रख लेती हैं।

भूरी के सिर पर हाथ फेर, टॉमी को पुचकार वे कमरे में आराम कुर्सी पर बैठ गईं। चाय ठंडी हो गई थी, दो घूंट में गटक ली फिर मोबाइल उठाकर उसमें झांका, कोई मिस्ड कॉल तो नहीं? यूं भी कोई कॉल मिस न हो जाए, वे रात भर सोई ही कहां?

नाश्ता तो बनाना ही होगा, ब्लड प्रेशर की टेबलेट जो लेनी है। उदासीनता ओढ़े हुए, बेसन का घोल तैयार कर, तवे पर दो चीले बना लिए।

इससे जल्दी और सुगमता से शायद और कुछ नहीं बन सकता था। साथ ही अदरक वाली चाय भी चढ़ा ली। वे कभी भी चाय के बिना नाश्ता नहीं करती थीं। इसी बीच फिर मोबाइल में झांक आईं। पहले तो मोबाइल फोन अपने संग ही सहेजे रहती थीं, पर जब से बड़ी ने समझाया तो...। शायद मोबाइल खराब हो गया है...। ऐसा तो हो ही नहीं सकता कि मेरे चारों बच्चों में से किसी ने भी अपनी मां को फोन न किया हो।

पति के गुजर जाने के बाद बड़े-बड़े चार कमरों वाले घर में सुमी अकेली ही रहती थीं। अड़ोसी-पड़ोसी दादी की खोज-खबर लेते रहते थे। उनके अपने सरल-मृदु स्वभाव के कारण वे मोहल्ले भर की 'दादी', 'अम्मा', आंटी बन गई थीं। उनकी अपनी बिटिया की उम्र की रेणु के लिए आंटी से मां हो गई थीं।

फिर भी अपनी संतान को क्षण भर भी नहीं बिसार पातीं, बेटियां तो पराई होती हैं, परवश हैं....। अपना घर-परिवार छोड़कर बार-बार मायके कैसे आ सकती थीं, बड़ी भी और छोटी दोनों समझाती हैं। दिन में दो-तीन बार फोन पर बात कर लेती हैं, पर यह मुआ शनिवार-इतवार काम ज्यादा होता है न, नौकरी वाली हैं दोनों। एक इतवार ही तो मिलता है, उसमें भी ढेरों काम और सब की ढेरों फरमाइश है, पूरी करने में...।

बेटे से बात की थी, आठ दिन हो गए...। खाली मन और खाली हो गया।

चाय के साथ नाश्ता गटक कर, पुरानी भूरे कवर और काले पन्नों वाली एलबम लेकर बैठ गए पहला... दूसरा... तीसरा पृष्ठ... चारों बच्चे उनके साथ उन्हें घेरे हुए बैठे थे और 'छोटी' तो गोद में ही थी, बड़ा गले में बाहें डाले खड़ा था, तुनकमिजाज 'बड़ी' दाहिनी ओर मुंह फुलाए बैठी थी। गोल-मटोल 'छोटा' बलपूर्वक मां की गोद में आने की कोशिश में थोड़ी सी जगह में ही संतुष्टि पा गया था।

एक मुस्कुराहट के साथ उन्होंने अपना चश्मा उतार कर साफ किया और निगाह झांड़ू-पोछा लगाती गुड्डो पर टिक गई, पिछले पांच बरस से यही सारा काम संभाल रही है, पर उन्होंने उसे नौकरानी कभी नहीं समझा। धीरे से बोलीं, 'बेटा मेरे साथ कॉम्लेक्स चल न! मेरा मोबाइल ठीक कराना है। देख न, कोई फोन ही नहीं आता इसमें...' *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

कविताओं में मुगल स्त्रियां

पवन करण की कविताओं में स्त्री जीवन के बाह्य और मनोजगत की गहन छवियां पहले भी प्रकट होती रही हैं। लेकिन उनका नया कविता संग्रह 'स्त्री मुगल' इस लिहाज से और विशिष्ट है कि यह मुगलकालीन स्त्रियों पर केंद्रित एक शोधपरक काव्यात्मक दस्तावेज के रूप में सामने आया है। इसमें अनेक ऐसी मुगलकालीन महिलाओं पर मार्मिक कविताएं हैं, जिनके बारे में आम लोग प्रायः न के बराबर जानते हैं। छोटी-छोटी कविताओं के जरिए पवन ने इतिहास में कहीं विलीन हो चुकी महिलाओं को भावनात्मक शब्दांजलि देने का प्रयास किया है। कहने की जरूरत नहीं कि कवि का यह प्रयास भी ऐतिहासिक महत्व का साबित होगा। *

पुस्तकः स्त्री मुगल(कविता संग्रह), **लेखकः** पवन करण, **मूल्यः**299 रुपए, **प्रकाशकः** राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

अगर आपकी है रचनात्मक लेखन में रुचि
अगर आप अपने आस-पास की बदलती दुनिया पर नजर रखते हैं। आप हटकर सोचते हैं, आपके भीतर विवेचन और लेखन की क्षमता है, आप पत्रकारिता-लेखन के प्रति प्रतिबद्ध हैं, तो जुड़िए दैनिक हरिभूमि से।
हमें दिल्ली में अपने फीचर विभाग के लिए आवश्यकता है-
- वरिष्ठ उप संपादक / उप संपादक
- प्रशिक्षु उप संपादक
- हिंदी टाइपिंग में कुशल ऑपरेटर भी आवेदन कर सकते हैं।
यथाशीघ्र अपना बायोडाटा मेल करें-
E-Mail: haribhoomifeaturedep@gmail.com
हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़ व मध्य प्रदेश से एक साथ प्रकाशित

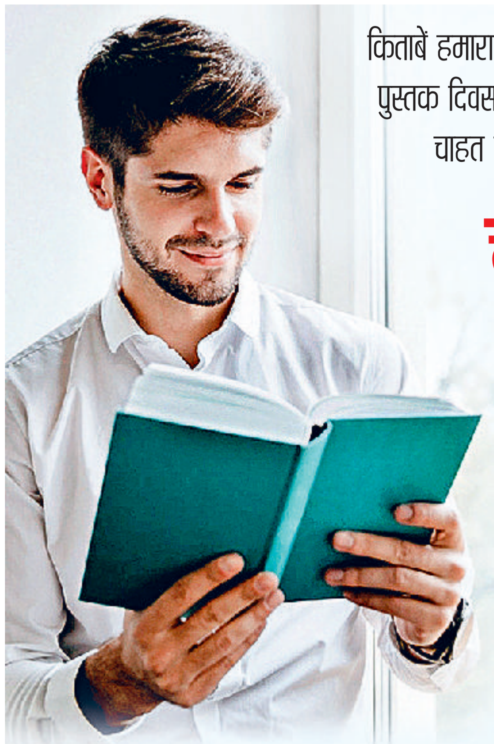

विशेषः विश्व पुस्तक दिवस, 23 अप्रैल

किताबें हमारा सिर्फ मनोरंजन नहीं करतीं, हमें ज्ञान नहीं देतीं बल्कि बेहतर मनुष्य होना भी सिखाती हैं। इसीलिए विश्व पुस्तक दिवस मनाया जाता है। लेकिन बीते कुछ दशकों से देश-दुनिया में लोग किताबों से दूर होते जा रहे हैं, पढ़ने की चाहत घटती जा रही है। इसकी क्या हैं वजहें, इसके दुष्परिणामों के बारे में हम सभी को पता होना चाहिए।

चलिए फिर से कर लें किताबों से दोस्ती

लाइफस्टाइल / दिनेश प्रताप सिंह 'चित्रेश'

अब से तीन दशक पहले सन 1995 में पेरिस में यूनेस्को द्वारा हर वर्ष 23 अप्रैल 'विश्व पुस्तक दिवस' के रूप में मनाने की घोषणा की गई। इसके पीछे का उद्देश्य ज्ञान-विज्ञान की संवाहक के रूप में पुस्तक की महत्ता के बारे में दुनिया को बताना था। अपने देश की बात करें, तो पिछली सदी में नवें दशक के पूर्वार्द्ध तक किताबें ज्ञान और मनोरंजन के क्षेत्र में अपना दखल रखती थीं। पुस्तकें हम सभी के जीवन में बहुत महत्व रखती थीं। लेकिन हाल के वर्षों में जो रीडरशिप सर्वे हुए, उससे यह तथ्य उभर कर सामने आया कि पुस्तकों के प्रति लोगों की रुचि निरंतर घटती जा रही है। बढ़ती साक्षरता दर के बीच कम होती अध्ययनशीलता, चौंकाने वाली सच्चाई है।

इसलिए बढ़ रही किताबों से दूरी

अध्ययनशीलता का विकास बचपन में ही होता है। लेकिन बाजारवाद के इस दौर में बचपन का अर्थ 'शानदार करियर के लिए संघर्ष' में सिमट गया है। इस वजह से बच्चों को विद्यालय, अभिभावक और ट्यूटरों के दबाव में अनचाहे उबाऊ पाठ्य पुस्तकों में रमना पड़ रहा है। यह स्थिति बच्चों में पुस्तकों के प्रति वितृष्णा पैदा कर देती है और वह स्वाभाविक पाठक नहीं बन पाते। यही वह 'अल्फा पीढ़ी' है, जो टीवी, मोबाइल, कंप्यूटर और इंटरनेट की दीवानी हो रही है।

किताबों का प्रभाव

वैसे इलेक्ट्रॉनिक/डिजिटल माध्यम की महत्ता से इंकार नहीं कर सकते हैं, लेकिन इनकी एक सीमा है। यह विषय के बाहरी रूप से तो परिचित करा सकते हैं, लेकिन अंतरंग का दर्शन कराने में उतना ही कमजोर हैं। इसके विपरीत किताबें हैं, जिनकी पैनी निगाह से जीवन का कोई भी रंग या आयाम अदृश्य नहीं रह पाता है। मनोविज्ञानियों का स्पष्ट मत है कि पुस्तकें सिर्फ ज्ञान और मनोरंजन का ही साधन नहीं होती हैं, बल्कि यह दिमाग चुस्त-दुरुस्त रखने का श्रेष्ठ माध्यम हैं। यह व्यक्तित्व लचीला बनाती हैं और जीने के नए-नए तरीके सिखाती हैं। दृश्य माध्यम व्यवहार के सामूहिक पक्ष को खारिज करके व्यक्तिवादी पक्ष को प्रबलित करता है। नई पीढ़ी में सामाजिक मूल्यों के प्रति घटती आस्था और स्वहित के लिए कुछ भी करने की प्रवृत्ति इसी की देन है।

विकसित हो रही दुष्प्रवृत्तियां

बच्चे, किशोर और युवा वर्ग पुस्तकों से दूर हुआ है तो इसके दुष्परिणाम भी खूब दिखने लगे हैं। किशोरों और युवाओं में हिंसा, आक्रोश, आक्रामकता, अवमानना, कामुकता जैसी प्रवृतियों की हैरतअंगेज स्तर पर वृद्धि हुई है। देश में विगत वर्षों में पुस्तक दिवस पर बुक स्टॉलों पर कुछ खास हलचल नहीं दिखती। फ्रेंडशिप-डे, वैलेंटाइन-डे जैसे मौकों पर युवावर्ग में जो उत्साह और खरीददारी की ललक दिखती है, उसका दशांश भी पुस्तक दिवस को समर्पित हो जाए तो क्या कहने!

फिर लौटें किताबों की ओर

पाठक और पठित सामग्री की एकात्मकता संस्कार निर्माण की नींव है। विद्वान विचारकों का अभिमत है कि जीवन में आस्था, विश्वास और मूल्यों की स्थापना की सशक्त स्रोत पुस्तकें ही हैं और यही रहेंगी। इसका विकल्प कोई अन्य माध्यम नहीं बन सकता। प्राचीन विचारकों ने तो यहां तक कहा है कि पुस्तक जहां रखी होती है, वह स्थान विचारों, सिद्धांतों और अवधारणाओं का संगम होता है। हमारी दिमागी क्षमता के लिए पुस्तकें उपयोगी पोषक तत्वों जैसा काम करती हैं। संभवतः इसीलिए कहा गया है कि पुस्तकें इंसान की सबसे अच्छी दोस्त होती हैं। इस दृष्टि से हमारी दिनचर्या में किताबों की वापसी हमारी प्राथमिकता बननी चाहिए।

हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि सूचना क्रांति के इस दौर और इलेक्ट्रॉनिक माध्यम की चकाचौंध के बीच भी शब्दों की महत्ता न घटी है और न घटेगी। क्योंकि शब्द ही हैं, जो हमें जहां हम हैं, उससे आगे निकलने की राह दिखाते हैं। शब्दों की इसी महत्ता को रेखांकित करके किताबों को पुनः जनाधार देने का उपक्रम है, 'विश्व पुस्तक दिवस।' मगर इस उद्घोषणा का महत्व तभी होगा, जब देश के पुस्तक बाजार में इसको लेकर सकारात्मक प्रतिक्रिया दिखेगी।

पुस्तकों के प्रति घटती जनरुचि के संदर्भ में अकसर उसकी कीमत को दोष दिया जाता है। लेकिन तीन-चार हजार का जूता खरीदने या दोस्तों के साथ फास्ट फूड पार्टी में हजारों रुपए खर्च करने वालों को चार-पांच सौ रुपए की किताबें क्यों महंगी लगती हैं, यह समझ से परे की बात है। वास्तव में मामला महंगाई का नहीं, प्राथमिकता का है। हम महंगे उपहार देते हैं, उसमें एक-दो पुस्तकें क्यों नहीं शामिल की जा सकती हैं? यह महत्वपूर्ण आयोजन तब तक अर्थहीन है, जब तक हम पुस्तकों की तरफ नहीं लौटेंगे। अगर हम संकल्प लें कि रोज कुछ न कुछ पढ़ना है तो इससे बच्चे और किशोर भी प्रेरित होंगे। एक बार यह सिलसिला चल निकलने की देर है, फिर किताबें अपना पुराना मुकाम प्राप्त कर लेंगी। *

ऐसे पड़ी पुस्तक दिवस की नींव

पश्चिमी देशों में पुस्तकें पढ़ने का चलन पिछली सदी में काफी पहले से कम होने लगा था। वहां नवें दशक तक आते-आते युवा वर्ग के व्यवहार में कई तरह के नकारात्मक परिवर्तन दिखने लगे थे। शिक्षाविदों और समाजशास्त्रियों के दबाव में कई सर्वेक्षण हुए, जिससे पता चला कि नई पीढ़ी में किताब पढ़ने की आदत एकदम कम हो गई थी। ज्ञान और मनोरंजन के क्षेत्र में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया बढ़त बना चुके थे। इसलिए उनके व्यावहारिक जीवन में संवेदना, आत्मनियंत्रण और धैर्य का स्तर काफी कम हो गया था। सर्वेक्षणों से यह निष्कर्ष भी निकला कि जो किशोर साहित्य नहीं पढ़ते, कंप्यूटर खेलों और छोटे पर्दे के साथ अपना समय निकाल देते हैं, वे संवेदना, सौंदर्यबोध और कल्पना के मामले में कमजोर हो जाते हैं। एक तरफ युवा वर्ग में मूल्यों का संकट बढ़ रहा था तो दूसरी ओर पुस्तकों के अस्तित्व पर खतरे के बादल मंडरा रहे थे। इस बात से चिंतित स्पेन की सरकार ने किताबों के पक्ष में सकारात्मक माहौल बनाने की दृष्टि से 'यूनेस्को' को एक प्रस्ताव भेजा। इसके पूर्व 'अंतरराष्ट्रीय प्रकाशक संघ' भी पुस्तकों के घटते जनाधार को संभालने के लिए यूनेस्को को आगे लाने का प्रयास कर चुका था। परिणामस्वरूप विचार-विमर्श के बाद विलियम शेक्सपियर और स्पेन के लोकप्रिय लेखक मीगुयेल डी सर्वेंटाइन की पुण्यतिथि 23 अप्रैल को प्रतिवर्ष 'विश्व पुस्तक दिवस' के रूप में मनाने का फैसला लिया गया।

सीख लें कुछ नया संवर उठेगा जीवन

अनेक अध्ययनों से सिद्ध हुआ है कि नई-नई स्किल सीखने से जीवन में नयापन, सकारात्मकता आती है और सफलता की नई राह खुलती है। 21 अप्रैल विश्व नवाचार और रचनात्मकता दिवस पर हम बता रहे हैं, नई स्किल सीखने के फायदे।

सेल्फ इंप्रूवमेंट
अंजू जैन

नयापन हर किसी को भाता है। इसकी वजह है कि हम सब दैनिक उपयोग की पुरानी चीजों, पुराने कपड़ों, पुराने फैशन और पुराने रूटीन से कई बार ऊब जाते हैं और जिंदगी में कुछ नयापन चाहते हैं। नवाचार और रचनात्मकता हमें उत्साह और ऊर्जा तो देती ही है, हमें इनसे आंतरिक खुशी, आत्मविश्वास और जीवन में नई सफलताएं भी मिलती हैं। आप भी चाहें तो कोई नई स्किल सीखकर जिंदगी में नई ताजगी ला सकते हैं, नई राह खोल सकते हैं।

वाद्य यंत्र बजाना

दुनिया में कई शोध हो चुके हैं, जिनके नतीजे बताते हैं कि वाद्य यंत्र बजाने से मनोरंजन के साथ-साथ बौद्धिक क्षमता भी बढ़ती है। मनोवैज्ञानिक और व्यवहार विशेषज्ञ कहते हैं, वाद्य यंत्र सुनने से ही नहीं बजाने से भी मन को सुकून मिलता है। इससे अवसाद, तनाव और उदासी से भी मुक्ति मिलती है। साथ ही जो विद्यार्थी वाद्य यंत्र बजाते हैं या सुनते हैं उनकी मेमोरी शार्प होती है और पढ़ाई-लिखाई में एकाग्रता भी बढ़ती है।

नई भाषा सीखना

आज दुनिया एक ग्लोबल विलेज बन चुकी है। इंटरनेट के जरिए या फिर वास्तविक रूप में भी दुनिया के विभिन्न हिस्सों तक हमारी पहुंच आसान हो चुकी है। हम विदेशों में अपने दोस्त बना रहे हैं, पर्यटन करने या पढ़ने के लिए विदेश जा रहे हैं और विदेश से व्यापार भी खूब हो रहा है। ऐसे में विदेशी भाषा सीखना बेहद फायदेमंद होगा। मनोविज्ञानियों का कहना है कि एक से ज्यादा भाषा सीखने वालों की बौद्धिक क्षमता, याददाश्त और एकाग्रता का स्तर बढ़ जाता है। साथ ही यह एक अतिरिक्त योग्यता भी होगी और विदेश में स्टडी या जॉब भी आसान बनाएगी।

स्पीड रीडिंग

हो सकता है, आप सोच रहे हों कि रीडिंग भी भला सीखने की चीज है? लेकिन स्पीड रीडिंग वाकई एक उपयोगी स्किल है। इसमें आप जल्दी-जल्दी पढ़ना और पढ़े हुए को आत्मसात करना सीखते हैं। इससे आपका समय बचता है और आप कम समय में ज्यादा पढ़ सकते हैं। जाहिर है, इससे छात्रों को स्टडी में काफी फायदा होगा। इस कला में आप किसी लेख, कहानी या टेक्स्ट के बिंदु बनाने और उसे संक्षेप में लिखकर या चंद वाक्यांशों में लिखकर याद करने की कला भी सीख सकते हैं।

आर्ट ऑफ जगलिंग

आपने किसी सर्कस या टीवी शो में जोकर को एक साथ कई गेंदों को ऊपर उछाल कर दोनों हाथों से एक-एक कर पकड़ना और फिर से उछालने का कमाल देखा होगा। यह कला जगलिंग कहलाती है। जगलिंग सीखने और इसका अभ्यास करने से बौद्धिक क्षमता और एकाग्रता बढ़ती है।

कुकिंग आर्ट

उम्र का बंधन किसी भी स्किल को सीखने के लिए नहीं होता है। आज की तारीख में दुनिया में कई बुजुर्ग ही नहीं बच्चे भी लजीज व्यंजन न सिर्फ पका रहे हैं बल्कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर सिखाकर सेलिब्रिटी शेफ जैसा दर्जा पा चुके हैं। हेल्दी और सेफ कुकिंग एक कला है, जो आपको डिसिप्लींड और ऑर्गेनाइज्ड रहना सिखाती है। साथ ही आपको टीमवर्क, माइंडफुलनेस प्लानिंग और हेल्थ कॉन्शस होना भी सिखाती है।

डिजिटल स्किल

दुनिया पूरी तरह डिजिटल हो चुकी है। कम्युनिकेशन, पढ़ाई, लिखाई, काम-काज, पेमेंट लेना या देना या शॉपिंग लगभग सब कुछ डिजिटल हो चुका है। जाहिर है, आज की दुनिया में आपको एक समझदार और सजग नागरिक बनना हो या करियर की राह पर सफल होना हो तो आपकी डिजिटल स्किल का लेवल बढ़िया होना चाहिए। संभव हो तो आपको कोडिंग भी सीखनी चाहिए। इससे आपकी टेक्नोलॉजी की समझ बढ़ेगी और प्रॉब्लम सॉल्विंग स्किल भी इंप्रूव होगी। *

बहुत मुश्किल नहीं डर को हराना

किसी न किसी चीज या स्थिति से डर तो सबको लगता है। लेकिन कुछ मनोवैज्ञानिक तरीकों से अपने डर को हराया जा सकता है। यकीन मानिए, ऐसा करना बहुत कठिन भी नहीं है।

साइकोलॉजी / विवेक कुमार

डर कितना ही बड़ा क्यों न हो, उस पर जीत पाई जा सकती है, बस उसके लिए हमें कुछ मनोवैज्ञानिक तौर-तरीकों से गुजरना होता है। वैसे डर को लेकर समाज में बहुत गलत धारणाएं फैली हुई हैं। आमतौर पर लोगों का मनोविज्ञान यह है कि डरपोक लोगों को डर ज्यादा लगता है और बहादुर लोग डरते नहीं। यह सही बात नहीं है। डर एक जन्मजात और शरीर की स्वाभाविक प्रतिक्रिया है। इसका हमारे हिम्मती या गैरहिम्मती होने से कोई लेना-देना नहीं होता बल्कि अगर कोई व्यक्ति डरता है तो इसका मतलब यह है कि उसके शरीर में स्वाभाविक प्रतिक्रिया हो रही है। लेकिन जैसे हर चीज की एक सीमा होती है, डर की भी एक सीमा होती है। अगर डर उस सीमा के आगे बढ़ जाए तो वह डर नहीं रहता। इसलिए सीमा से आगे बढ़ा हुआ डर नुकसानदायक होता है और उसके निवारण की जरूरत होती है।

संभव है डर से छुटकारा: जब भी डर के बारे में सोचें तो यह मानकर चलें कि डर कितना ही बड़ा और जटिल क्यों न हो, उससे छुटकारा पाना संभव है। हम सब बचपन में अंधेरे से डरते हैं, कॉकरोच से या छिपकली से डरते हैं। ऊंचाई से भी डरते हैं और ये सिर्फ बच्चों की बात नहीं है, बड़े होने पर भी बहुत लोग इन सब चीजों से डरते हैं। लेकिन अगर इन सभी चीजों को धीरे-धीरे प्रैक्टिस से समझें तो डर दूर हो जाता है। दरअसल, डर से हमारी मुलाकात जन्म लेते ही हो जाती है। पैदा होने के बाद से ही किसी भी शिशु में असुरक्षा की भावना आ जाती है। भूख लगने पर वह जोर-जोर से रोने लगता है। रोना दरअसल, उसकी असुरक्षा की अभिव्यक्ति है। इसलिए जब भी उसे भूख लगती है, वह रोने लगता है। लेकिन पेट भरा होने पर नहीं रोता। ऐसे ही बिस्तर गीला हो जाने पर भी रोता है, लेकिन गीले बिस्तर से मां उठा ले तो वह चुप हो जाता है। यानी, हम जैसे ही अपने सुरक्षातंत्र में पहुंच जाते हैं, भय खत्म हो जाता है।

ऐसे मिलेगी भय से मुक्ति: किसी भी डर से छुटकारा वैज्ञानिक तरीके की परवरिश से ही मिलती है। जैसे हम अंधेरे में डरते और अंधेर में उजाला हो जाए तो डर दूर हो जाता है। ठीक इसी तरह हमारा कमजोर दिल-दिमाग जिन सवालों के जवाब नहीं ढूढ़ पाता है, उससे हमें डर लगता है। इसमें मां-बाप की भी भूमिका होती है। अकसर मां-बाप छोटे बच्चों को शरारत न करने के लिए छोटी-छोटी बातों से डराते रहते हैं। जैसे-बाबा आएगा और झोली में डालकर ले जाएगा। छोटे बच्चे इस वजह से किसी भी अंजान व्यक्ति को देखते ही डर जाते हैं। लेकिन बड़े होने पर पता चलता है कि उनका डर बेबुनियाद था। इसलिए बच्चों की परवरिश में ऐसी झूठी बातों के इस्तेमाल से बचना चाहिए।

अधिकांश होता है भविष्य का डर : डर आमतौर पर भविष्य से जुड़ा होता है। मैं लिफ्ट में जाऊंगा तो कहीं फंस ना जाऊं। मैं मीटिंग में सबके सामने बोलूंगा तो कहीं गलती तो नहीं हो जाएगी, लोग मुझ पर हंसेंगे तो नहीं। ये ऐसे डर हैं, जो आमतौर पर हम सबको लगते हैं और हम इनके बारे में सोच-सोचकर डरते रहते हैं। अगर हमारे मन में किसी तरह के संक्रमण की आशंका बैठ जाए, तो एक छींक आते ही हम बहुत डर जाते हैं, लगता है हमें इस संक्रमण ने जकड़ लिया। इंटरव्यू देने जाते वक्त हम इसलिए डर जाते हैं कि हमारे मन में ऐसे सवालों की चेन चलती रहती है, जो सवाल अभी तक हमसे न तो पूछ गए हैं और हो सकता कभी न पूछे जाएं। खुद ही हम इंटरव्यू देने जाने के समय डर जाते हैं। हम या तो बिना किसी वजह के डरते हैं या राई का पहाड़ बना लेते हैं। अगर हमारे मन में यह भाव मजबूती से बैठा हो कि जब कोई बात सामने आएगी, तब देखी जाएगी, तो हमें भविष्य से कभी डर ही नहीं लगेगा।

डर की कल्पना से बचें: मन बहुत कल्पनाशील होता है, इसलिए मामूली चीजें भी कई बार बहुत बड़ी समस्या बन जाती हैं। खतरा न होते हुए भी खतरे की घंटी सुनाई पड़ने लगती है। तभी तो मन रस्सी को कल्पना करते ही सांप समझ लेता है। दूसरी तरफ जो कल्पना से नहीं डरता, जिसमें डरावनी भावनाएं नहीं होतीं वो डरावनी परिस्थिति का भी जमकर मुकाबला करता है। मतलब यह कि डर जितना होता है, उससे कहीं ज्यादा हमारी कल्पना से बढ़ जाता है। इसलिए डर की कल्पना से बचना चाहिए। *

खास मुलाकात
पूजा सामंत

अपने दौर की स्टार हीरोइन मीनाक्षी शेषाद्रि, शादी बाद अमेरिका में सेटल हो गई थीं। वह सत्ताइस साल बाद भारत लौटी हैं, फिर से फिल्मों में काम करेंगी। मीनाक्षी अब किस तरह के रोल करना चाहेंगी? फिल्म इंडस्ट्री में वह क्या बदलाव देख रही हैं? क्या वह ओटीटी प्लेटफॉर्म पर भी काम करना पसंद करेंगी? मीनाक्षी शेषाद्रि से बहुत खुलकर बातचीत।

मैं ऐसे किरदार करना चाहूंगी, जो मुझे एक अलग पहचान दे : मीनाक्षी शेषाद्रि

मीनाक्षी शेषाद्रि ने मनोज कुमार निर्मित फिल्म 'पेंटर बाबू' से 1983 में फिल्मों में कदम रखा था। उसी वर्ष मीनाक्षी की जैकी श्रॉफ के साथ निर्माता-निर्देशक सुभाष घई की फिल्म 'हीरो' रिलीज हुई थी। इस फिल्म ने मीनाक्षी और जैकी को रातों-रात स्टार बना दिया। इसके बाद मीनाक्षी ने कई सुपरहिट फिल्में दीं। उन्होंने अमिताभ बच्चन, धर्मेंद्र, जितेंद्र, ऋषि कपूर, गोविंदा, विनोद खन्ना, राजेश खन्ना, शत्रुघ्न सिन्हा जैसे नामी स्टार्स के साथ काम किया। 1995 में मीनाक्षी ने इंवेस्टमेंट बैंकर हरीश मैसूरे के साथ विवाह कर लिया और उनके साथ अमेरिका में सेटल हो गईं। सत्ताइस वर्षों बाद वह भारत लौटी हैं। उन्होंने एक फिल्म साइन की है। पेश है मीनाक्षी शेषाद्रि से हुई बातचीत के प्रमुख अंश-

आपकी शुरुआती दो फिल्मों ने रिलीज के चालीस वर्ष पूरे कर लिए हैं। विवाह के बाद आप अमेरिका में सेटल हुईं। आपकी बॉलीवुड में वापसी पूरे सत्ताइस वर्षों के बाद हो रही है। अपने कमबैक को लेकर आप क्या कहेंगी?

हां, 'पेंटर बाबू' और 'हीरो' मेरी ये दोनों फिल्में 1983 में रिलीज हुई थीं। इनके चार दशक पूरे होने की मुझे बहुत खुशी है। फिल्म 'हीरो' ने मुझे स्टारडम दिलाया। फिल्म 'पेंटर बाबू' मुझ जैसी न्यूकमर को लाइमलाइट में लाई। इसके बाद राजकुमार संतोषी जी की 1993 में फिल्म 'दामिनी' रिलीज हुई थी, उसके बाद 1996 में 'घातक' रिलीज हुई। मेरे करियर की ये आखिरी दो फिल्में थीं। 1995 में मेरी शादी हुई फिर मैं अपने वैवाहिक जीवन में बिजी हो गई। बेटी केंद्रा, जो इस वक्त पचीस वर्ष की है, पढ़-लिखकर जॉब कर रही है। बेटा जोश इक्कीस वर्ष का है। उसने अपनी पढ़ाई अभी-अभी पूरी की है। कुल मिलाकर एक मां, एक पत्नी और गृहिणी के रूप में मैंने अपना दायित्व संतोषजनक ढंग से निभाया। जब मैं विवाह के बाद अमेरिका गई तो यह बात मेरे जेहन में हमेशा रही कि उम्र के किसी भी पड़ाव पर मैं अपने देश लौटकर अभिनय करना चाहूंगी। अभिनय मेरा पैशन है। यह पैशन अब पूरा करना चाहूंगी। हालांकि अपने परिवार को अमेरिका छोड़कर भारत आने का डिसीजन मेरे लिए आसान नहीं था। मैंने यह बहुत बड़ा कदम उठाया है। अब यहां मुंबई आई हूं तो परिवार को बेहद मिस भी करती हूं। देर रात मैं अपने बच्चों और परिवार से बात करती हूं।

अब आप फिल्मों में किस तरह के रोल करना चाहेंगी?

मैं किस तरह के किरदार निभाना चाहूंगी, यह अभी तय नहीं किया है। मैंने एक प्रोजेक्ट साइन कर लिया है, उसके बारे में अभी कुछ बता नहीं सकती। बहुत जल्द इसकी अनाउंसमेंट होगी। अब फिल्म इंडस्ट्री बहुत बदल चुकी है। फिल्मों की कहानियां और किरदार भी बहुत बदल चुके हैं। मैं ऐसे किरदार करना चाहूंगी, जो मुझे एक अलग पहचान दे। मुझे अहसास हो कि मेरा कमबैक खास है, फ्रूटफुल है। मैंने यहां काम करने के लिए खुद को सरेंडर कर दिया है। अभी तो मैं कोरी स्लेट हूं। देखते हैं, फिल्म मेकर्स मुझे किस तरह के किरदार ऑफर करते हैं। आज की एक्ट्रेसेस फिल्मों में महज शो पीस नहीं बनतीं, उनके लिए स्ट्रॉन्ग रोल लिखे जाते हैं, फिर चाहे वो फिल्म, टीवी हो या ओटीटी प्लेटफॉर्म।

आप सत्ताइस साल बाद भारत लौटी हैं। इंडस्ट्री में आप किन बदलावों को महसूस कर रही हैं?

सबसे बड़ा और सुखद बदलाव सेट पर वैनिटी वैन का मौजूद होना है। मेरे दौर में वैनिटी वैन नहीं होती थी। धूप, धूल में शूटिंग के बाद ड्रेस चेंज करने की कोई प्रॉपर जगह नहीं रहती थी। बड़े नामी स्टूडियोज के मेकअप रूम गंदे रहते थे। लेकिन अब ऐसा नहीं है। इस दौर की अभिनेत्रियों के लिए बहुत बड़ी सुविधा है वैनिटी वैन। स्टार के पेमेंट का स्तर भी बढ़ा है। इस तरह फिल्म इंडस्ट्री का पूरा ढांचा ही बदल गया है।

ओटीटी इस वक्त फिल्मों के लिए टफ कॉम्पिटिशन बन चुका है। आप कितनी तैयार हैं ओटीटी प्लेटफॉर्म के लिए, जहां नेगेटिव रोल और स्टोरीज ट्रेंडिंग हैं?

आय एम हियर टू सरप्राइज एवरीवन! मैं नेगेटिव रोल करूंगी या नहीं, यह तो रोल पर डिपेंड करेगा, अभी से कैसे बताऊं? पॉजिटिव, नेगेटिव का कॉम्बिनेशन कर सकती हूं। ग्रे शेड्स वाले रोल भी सोच सकती हूं।

आपने बॉलीवुड के कई बड़े स्टार्स के साथ काम किया, उनके साथ आपके फिल्म करने के एक्सपीरियंस कैसे रहे?

हर एक्टर के साथ मेमोरीज शेयर करने के लिए शायद एक इंटरव्यू कम पड़ जाएगा। हां, जिनके साथ मेरी बहुत बनी, वो थे विनोद खन्ना। जब वह शिखर पर थे, सब कुछ छोड़कर आचार्य रजनीश के आश्रम में चले गए, कुछ वक्त बाद वो वापस भी आए। इंडस्ट्री ने उनका स्वागत किया। उनकी वापसी के समय मुझे उनके साथ पांच-छह फिल्में करने का मौका मिला। रजनीश आश्रम से लौटे विनोद जी के पास इतना आध्यात्मिक ज्ञान हो चुका था कि उनसे बातचीत करना एक ग्रेट एक्सपीरियंस होता था। जब मेरी शूटिंग विनोद जी के साथ होती थी। मेरे पापा भी मेरे साथ आते थे, खासतौर पर उनकी आध्यात्मिक बातें सुनने। विनोद जी, मैं और पापा घंटों बतियाते थे। उनसे हमारी बहुत अच्छी मित्रता थी। गोविंदा, इंडस्ट्री के वो सितारे हैं, जो वर्सेटाइल हैं। उनसे भी हमारा बहुत प्यारा रिश्ता रहा। ऋषि कपूर जी के साथ भी मैंने पांच फिल्में कीं। वह बहुत दिलचस्प इंसान और कमाल के एक्टर थे। आज जब मैं रणबीर को देखती हूं, मुझे लगता है उनमें अपने पिता की पूरी झलक है, लेकिन पिता पुत्र में तुलना नहीं होनी चाहिए। *

भारत और अमेरिका की लिविंग स्टाइल में अंतर

यूएसए की लिविंग स्टाइल चकाचौंध भरी है। डॉलर्स में मिलने वाली सैलरी से वहां के लोगों का स्टैंडर्ड ऑफ लिविंग हाई है। वहां की लेडीज काफी फैशनेबल हैं। लगता है मानो अभी-अभी ब्यूटी पार्लर-सैलून से निकली हों। फैशन, हाई स्टैंडर्ड ऑफ लाइफ वहां एक कॉमन बात है। हां, अमेरिका में रहने का मेरे लिए फायदा यह रहा कि मैंने वहां काफी कुछ जाना-सीखा, जो मैं भारत में नहीं कर पाई थी। यहां तो मैंने फिल्मों में बतौर अभिनेत्री काम किया, जहां मेकअप, हेयर स्टाइल, डांस सिखाने के लिए सेट पर लोग होते हैं। कोई सीन कैसे किया जाए, यह बताने वाला डायरेक्टर होता है। घर पर मां-पिताजी होते हैं, जिस वजह से मैं पैंपर्ड होती रही। अमेरिका में जाने के बाद अपने परिवार के लिए खाना बनाना, ड्राइविंग सीखना, अपने फाइनेंस को मैनेज करना, ये सारे काम मैंने सीखे, जो वहां के लिए जरूरी थे। मैंने वहां स्विमिंग सीखी, जो फिटनेस के लिए थैरेपी बनी, पर्सनली मेरी ग्रोथ हुई। इस तरह वहां की रूटीन लाइफ ने मुझे इंडिपेंडेंट और बहुत स्मार्ट बनाया। भारत में होती तो शायद ये सब काम नहीं सीख पाती। एक बात की कमी मैंने वहां बहुत महसूस की, वह है अपनापन। हम सबकी मदद करें, यह अपने देश की सभ्यता-संस्कृति का हिस्सा है। भारत के लोग बिना मांगे दूसरे की मदद करते हैं। अमेरिका में किसी की मदद करने का कल्चर नहीं है। यहां तक कि वहां अपने किसी दोस्त के घर जाना है तो पहले उसकी भी अपॉइंटमेंट लेनी पड़ती है। यह सोचना पड़ता है कि कहीं उनकी प्राइवेसी में हम कोई दखलअंदाजी तो नहीं कर रहे हैं। मैं भारत में अपनी किसी भी सहेली के घर कभी भी जा सकती हूं। हक के साथ कह सकती हूं, 'चल, यार एक कप चाय पिला।' मैं अमेरिका में इंडियन लाइफस्टाइल, यहां की खुशमिजाजी, मददगार लोग बहुत मिस करती हूं।